

संपादक

अभिजीत कुमार, 9431006107

समाचार संपादक

अखिलेश कुमार, 9431089053

राजनीतिक संपादक

प्रो. नीरज कुमार सिंह, 9431049337

सहायक संपादक

प्रभाकर कुमार राय/एस. एन. श्याम

संपादकीय सलाहकार

राजीव कुमार सिंह 9431210181

रंजीत कुमार 8800689555

कॉन्सेप्ट एडिटर

अनूप कुमार शर्मा, 7004821433

विधि सलाहकार

वीणा कुमारी जयसवाल, पटना हाई कोर्ट

बिहार व्यूरो

अनूप नारायण सिंह

मुख्य संचारदाता

सोनू सिन्हा, 9431006189

आशीष कुमार

जिला व्यूरो

बेगूसराय : विशेष कुमार सिंह, 9430415316

अमित सिंह, 9430595995

भागलपुर प्रमंडल : राजेश पंजिकार,

(व्यूरो चीफ), 9334114515

समस्तीपुर : राजेश कुमार

चांदन : अमोद कुमार दूधे : 8578934993

मुंगेर : सिद्धांत

कटारिया : दीपक चौधरी, विशेष संचारदाता

9973077043

सुईया : चन्द्रशेखर मिश्र (संचारदाता)

बिहार-झारखण्ड : अभिनव कुमार 7903292877

दिल्ली : नवल वत्स, 9818901841

स्वाति

ग्रेटर नोएडा : गौरीशंकर, 8920215318

प्रधान कार्यालय

गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली मंदिर रोड नं.- 7, पटना - 800 020 (बिहार)

मो.- 9431006107, 9939815347

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक : अभिजीत कुमार

गिरिराज सदन, हनुमान नगर, संजय गांधी नगर, काली

मंदिर रोड नं.- 7 पटना - 800 020 (बिहार) से

प्रकाशक व एस. एम. ऑफसेट पंडुईकोठी लंगर टोली,

डीएन दास लेन, पटना-800 004, से मुद्रित।

पत्रिका में प्रकाशित किसी भी रचना के विवाद के लिए लोखक स्वयं जिम्मेवार होंगे। इसके लिए संपादक से सहमति जरूरी नहीं। पत्रिका से संबंधित सभी विवादों का निवारा पटना उच्च न्यायालय से होगा।

संरक्षक



डॉ. संजय मयूर

राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी
माजपा

जय जयराम सिंह

JJRS CONSTRUCTION
PVT. LTD.

चर्चित बिहार

वर्ष : 8, अंक : 5, जनवरी 2021, मूल्य : 25/- राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका



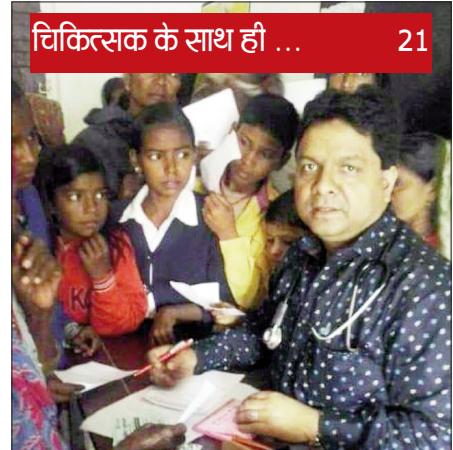
10

आईएस सो जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की यात्रा



पटना वाले गुरु डॉक्टर ...

17



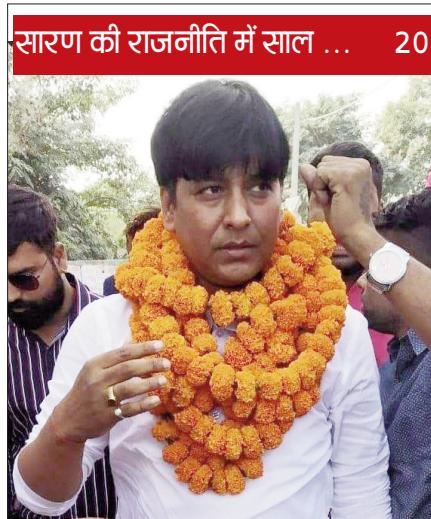
चिकित्सक के साथ ही ...

21



सहजता, जन सेवा भाव ...

16



सारण की राजनीति में साल ...

20

किसके दलाई लामा? तिब्बतियों की आस्था का प्रृथन

आ

खिर अमेरिकी सीनेट ने नया दलाई लामा चुनने के तिब्बतियों के अधिकार से जुड़ा वह बिल पास कर दिया, जिसका काफी समय से इंतजार किया जा रहा था। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स जनवरी में ही इसे पारित कर चुका है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के साथ ही यह कानून अमेरिकी नीति का हिस्सा बन जाएगा और यह नीति कहती है कि नया दलाई लामा चुनने की प्रक्रिया में अगर चीन की सरकार ने किसी तरह की दखलदाजी की तो उसे कड़े प्रतिबंध झेलने होंगे। स्वाभाविक रूप से चीन इसे अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बता रहा है, लेकिन दुनिया भर में फैले तिब्बती समुदाय के लोग इस फैसले से खुश हैं। इस पहल की जरूरत इसलिए महसूस की जा रही थी क्योंकि मौजूदा दलाई लामा 85 साल से ऊपर के हो चुके हैं और चीन सरकार अपने तई नए दलाई लामा की खोज शुरू कर चुकी है। ध्यान रहे, दलाई लामा महज एक राजनीतिक पद नहीं है। वह तिब्बती समुदाय के आध्यात्मिक प्रमुख भी होते हैं। उनके चुने जाने की एक खास प्रक्रिया है जो सैकड़ों साल पुरानी है। तिब्बती बौद्ध परंपरा में माना जाता है कि दलाई लामा के रूप में बोधिसत्त्व अवतार लेते हैं। सो उनकी मृत्यु के बाद उनके करीबी शिष्य कुछ खास संकेतों के जरिए यह तय करते हैं कि उनका पुनर्जन्म किस बच्चे के रूप में हुआ है। नियमतः इस चयन को चीन सरकार का अनुमोदन प्राप्त होना जरूरी है, जो अब तक 13 मामलों में चीनी राजशाही द्वारा और मौजूदा चौदहवें दलाई लामा के मामले में वहां की क्वोमिंतांग पार्टी की राष्ट्रवादी सरकार द्वारा किया गया था। निश्चित रूप से नेता चुनने का यह तरीका आधुनिक नहीं कहा जाएगा। चूंकि दलाई लामा के पास राजनीतिक और प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं, इसलिए उन्हें चुनने की लोकतांत्रिक और पारदर्शी प्रक्रिया को ही बेहतर माना जाता। लेकिन सवाल औरों के मानने का नहीं है। चूंकि यह मामला तिब्बती समुदाय की आस्था और संस्कृति से जुड़ा है, इसलिए इसमें कई बदलाव भी आना हो तो उस समुदाय के अंदर से ही आना चाहिए। बहरहाल, चीन की मौजूदा कम्युनिस्ट सरकार का जोर तिब्बतियों द्वारा नेता के चयन से ज्यादा अनुमोदन के अपने अधिकार पर है। 1995 में तिब्बत के दूसरे आध्यात्मिक व्यक्तित्व पंचेन लामा के चुने जाने के तीन दिन के अंदर ही उनको गिरफ्तार कर लिया गया और तबसे उनको यानी गेधुन न्यिमा को आज तक नहीं देखा गया। उनकी जगह ग्याल्ट्सेन नोरबू को 11वां पंचेन लामा घोषित कर दिया गया। इसी बजह से तीसरे गुरु यानी 17वें करमापा भी दो हैं और शायद कल को दलाई लामा भी दो हो जाएं। यह स्थिति तिब्बतियों के लिए तो तकलीफदेह होगी ही, चीन के लिए भी फायदेमंद नहीं होगी। तिब्बतियों को अपने विश्वास के मुताबिक जीने की छूट देने से चीन का कुछ नुकसान नहीं होना है, बल्कि उनका भरोसा जीतने और दीर्घकालिक शाति बहाल करने में इससे कुछ आसानी ही होगी।



अभिजीत कुमार
संपादक
9431006107

cbhindi.news@gmail.com

सड़क पर किसान

पक्ष-विपक्ष में घमासान



अखिलेश कुमार

पिछले एक माह से देश के विभिन्न भागों से आए किसान दिल्ली के सीमा पर डेंगा डाले हुए हैं जो केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानून को वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसान आंदोलन को देश के सभी

विपक्षी दलों द्वारा भी समर्थन दिया जा रहा है। वही दूसरी तरफ केंद्र सरकार अध्यादेश जारी कर लाए गए कृषि कानून को वापस लेने को तैयार नहीं है। इसको लेकर पूरे देश के किसानों में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का माहौल उत्पन्न हो गया है।

केंद्र सरकार नये कृषि कानून को किसानों के लिए

उठाया गया क्रांतिकारी और हितकर कदम बता रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के 40 किसान संगठन के साथ-साथ पूरा विपक्ष नए कानून को किसानों के लिए काला कानून करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग पड़ा हुआ है। किसानों को सबसे बड़ा डर न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी '28 से लेकर है। दरअसल किसानों के हितों की



रक्षा के लिए देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था लागु है ताकि बाजार भाव गिरने पर किसानों को नुकसान से बचाया जा सके। किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नए कानून में सबसे अधिक विरोध एमएसपी को लेकर ही है। किसान चाहते हैं कि एमएसपी नहीं हटाया जाए, इसका केंद्र सरकार लिखित आशवासन दे।

दरअसल देश में अभी कुल 23 फसलों की खरीदारी के लिए एमएसपी लागू है, जिसमें धान, गेहूं, जवार, बाजरा, मवका, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कपास आदि शामिल है यदि 28 यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था पर नजर ढौड़ आया जाए तो देश में मात्र छः प्रतिशत फसलों की खरीदारी ही एमएसपी पर होती है और इसमें सबसे अधिक खरीदारी हरियाणा और पंजाब में होती है। यही कारण है कि हरियाणा तथा पंजाब के किसान कृषि कानून को लेकर सबसे अधिक आंदोलनरत है।

हालांकि केंद्र सरकार यह कह रही है कि एमएसपी नहीं हटाया जाएगा लेकिन किसान इसकी लिखित गारंटी मांग रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि संता कुमार कमेटी सहित कई कमेटियों ने केंद्र सरकार से सिफारिश कर चुकी है कि एमएसपी पर धान और गेहूं की खरीदारी काम की जाए। किसानों को भाय है कि विभिन्न कमेटी द्वारा की गई थी सिफारिशों के आलोक में सरकार इसे समाप्त कर सकती है। नये कृषि कानून के तहत जो दुसरा सबसे बड़ा भय है वह निजी कंपनियों को अनाज की भंडारण छमता असीमित करने की छूट है।

नये कानून के अनुसार देश में युद्ध तथा महामारी को छोड़कर निजी कंपनी इतना चाहे, अनाज की खरीदारी कर भंडारण कर सकती है। यह कानून भी किसानों में आशंका पैदा हो रही है जो स्वाभाविक भी है। क्योंकि जब निजी कंपनियों को भंडारण की छूट मिल गई तथा एमएसपी हटा लिया गया तो वो उत्पाद

का भंडारण करने के बाद फसलों की कीमत अपने अनुसार मनमानी तय करने लगेंगे। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियां गठजोड़ कर किसानों के साथ मनमानी का रुख अखियार करेंगे। उससे बचने का एकमात्र उपाय किसानों को अनाज का न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था ही दिख रही है।

केंद्र सरकार कह रही है कि विपक्ष किसानों को गुरमाह कर रही है और जो कानून बना है वह किसानों के लिए आने वाले दिनों में काफी लाभकारी सिद्ध होगा। जबकि विपक्ष इस कानून को किसानों के लिए घातक और निजी कंपनियों का कृषि क्षेत्र में मनमानी करने वाला कानून करार दे रहा है। विपक्ष का यह भी कहना है कि यह कानून देश में कोरोना महामारी के दौरान लॉक डाउन में अध्यादेश जारी कर लाने की इतनी जल्दबाजी क्या थी? इसे पहले लोकसभा में चर्चा होनी चाहिए थी, इसके बाद किसानों के हितों को ध्यान में रखकर कानून बनाना चाहिए था।



वैभव, मीणा और खान जैसे अधिकारी की भूमिका से थम सकता है अपराध



अजय देवगन की फिल्म में सिंधम की रोल से कहीं बेहतर रियल लाईफ में विकास वैभव ने अपनी छवि बनायी है। जिससे अपराधी, नक्सली, आतंकी, विरोधी गुट तो छोड़िये, सरकार भी समय समय पर खौफ खाते रही है।

अखिलेश कुमार

बिहार में बढ़ते अपराधीक घटनाओं के बीच राज सरकार ने दस आईपीएस अधिकारियों को प्रोन्नति दी है। इसमें नैयर हसनैन खान, बच्चू सिंह मीणा व विकास वैभव जैसे नाम भी शामिल हैं, जो अपने कार्यकाल के दौरान बिना किसी राजनीतिक दबाव में आए कानून की राज को स्थापित करने के लिए कठोरतम कदम उठाते रहे हैं। बच्चू सिंह मीणा ने लालू राज में भी लालू यादव के चहते रहे शहाबुद्दीन जैसे लोगों को भी नहीं बक्सा। नैयर हसनैन खान, बच्चू सिंह मीणा तथा विकास वैभव पटना एसएसपी सहित कई जिले में अपने कार्यकाल के दौरान कानुन व्यवस्था कायम करने के लिए अपनी बेहतर क्षमता का प्रदर्शन कर चुके हैं। बिहार के दस नये प्रोन्नत आईपीएस अधिकारियों में नैयर हसनैन खान तथा बच्चू सिंह मीणा को एडीजी एवं विकास वैभव को आईजी में प्रोन्नति मिला है। इसमें विकास वैभव राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की गैरवशाली मिट्टी में जन्मे हैं, जो अपनी पुलिस पदाधिकारी के रूप में कर्तव्य का निर्वाह इमानदारी पूर्वक करते हुए समाज में ऐसा

आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं कि लोग उन्हें इतिहास तथा भारतीय संस्कृति के पथ प्रदर्शक के रूप में आत्मसात करने लगे हैं। बिहार के बिहट (बेगूसराय) गाँव में जन्मे विकास वैभव अपने मेहनतकश अंदाज को दर्पण मानकर प्रशासनिक सेवा की ओर कदम बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण की नई इवादत लिखते नजर आ रहे हैं, इसकी यह अदा विकास को वैभव बना रहा है। अजय देवगन की फिल्म में सिंधम की रोल से कहीं बेहतर रियल लाईफ में विकास वैभव ने अपनी छवि बनायी है। जिससे अपराधी, नक्सली, आतंकी, विरोधी गुट तो छोड़िये, सरकार भी समय समय पर खौफ खाते रही है। विहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार, जिसके सामने अच्छे अच्छे आई.पी.एस. की घियां बंध जाती है, उस मुख्यमंत्री नितीश कुमार की रैली के एक दिन पूर्व राजधानी पटना के हर चौक चौराहों पर लगी उनके पाठीं जदयू की रैली सम्बंधित होर्डिंग्स पोस्टर को रातों रात उतरवा देना कोई मामूली काम नहीं था। उनके इस कदम से नितीश कुमार व उनके तत्कालीन गटबंधन सहयोगी पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव व उनके पाठीं के नेता सकते में आ गए थे।

विकास वैभव के कुछ चर्चित केस जिसका सफलता पूर्व किया निष्पादन

बौद्ध धर्म का महाबोधि बोधगया मंदिर बम्बलास्ट जिससे दुनिया भर के बौद्ध धर्म को मानने वाले सकते में आ गए थे, किया सफलतापूर्वक निष्पादन और सारे आतंकी पकड़े गए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक हुंकार रैली में आतंकी संगठनों द्वारा किया गया बम्बलास्ट जिसमें कई लोग मरे गए थे का किया सफलतापूर्वक निष्पादन और सारे अपराधी पकड़े गए, बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार के खास नुमाइंदों में से एक छोटे सरकार के नाम से बिहार के चर्चित बाहुबली अनंत बाबू को अरेस्ट कर सलाखों के पीछे डालना किसी के बृते की बात नहीं थी, बाहुबली अनंत सिंह को अरेस्ट करने की हिम्मत अच्छे अच्छे अधिकारी नहीं जुटा पाते हैं, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद जिससे खाते हैं खौफ, बिहार का हर वह बाहुबली अनंत सिंह को लोहा मानता हो, ऐसे बाहुबली अनंत सिंह को आई.पी.एस विकास ने अरेस्ट कर सलाखों के पीछे डाला था। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव व उनके पुत्र पर केस दर्ज करना वह भी तब जब लालू यादव व उनके पुत्र सरकार में गटबंधन टूटने का प्रमुख कारण बना। यदि वर्तमान सरकार बिहार के बिगड़ते कानून व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करना चाहती है तो ऐसे अधिकारियों को पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपनी होगी।

बिहार में किसी नेता अभिनेता से ज्यादा क्यों लोकप्रिय हैं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव

अनूप नारायण सिंह

संप्रति बिहार में किसी भी नेता या अभिनेता से ज्यादा सोशल मीडिया पर लोकप्रियता में सबसे आगे हैं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव। अपनी ईमानदारी के लिए एक अलग पहचान बनाने वाले विकास वैभव के चाहने वाले में युवाओं से लेकर बुजुर्ग युवतियां स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे गृहणीया शिक्षाविद सभी तबकों के लोग शामिल हैं। एटीएस बिहार में डीआईजी विकास वैभव के आईजी में प्रमोशन की खबर मीडिया में आते ही सोशल मीडिया पर उनको बधाई देने का ताता लगा हुआ है। लाखों लोगों ने अपनी टाइमलाइन पर उनके साथ अपनी तस्वीरें साझा कर उन्हें बधाई दी है। पुलिस सेवा में रहने वाले कड़क मिजाज के इस पदाधिकारी की लोकप्रियता का पैमाना यह है कि यह जब किसी कार्यक्रम में चले जाते हैं तो वहां पूरी की पूरी भीड़ इनके साथ सेलफी खिंचवाने की ताक में रहती है। चंपारण के दुर्दृष्ट दस्यु गिरोह के सफाया से लेकर बिहार के कई चर्चित बाहुबलियों को सलाखों के पीछे डालने वाले इस आईपीएस अधिकारी कि सार्थक सोच इहें भीड़ से अलग करती है #यात्रीपन के बहाने प्रदेश और देश के धरोहरों की जड़ों को तलाशते रहते हैं। पुरातात्त्विक स्थलों की खोज में रुचि रखने वाले इस आईपीएस अधिकारी की कविताएं भी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल होते रहती हैं। युवाओं से खास लगाव रखने वाले विकास वैभव युवा मन के बहाने समय-समय पर युवाओं से सीधा संवाद करते हैं। उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र करने की दिशा में जागृत करते हैं। अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बावजूद युवाओं के सम्मानित करने वाले वक्ता हैं। विषय वस्तु पर श्रोताओं को ऐसे बांध देते हैं जैसे आप किसी तिलिस्म में कैद हो चुके हैं।

किसी भी विषय पर इनकी जबरदस्त पकड़ है भीड़ को सम्मोहित करने वाले वक्ता हैं। विषय वस्तु पर श्रोताओं को ऐसे बांध देते हैं जैसे आप किसी तिलिस्म में कैद हो चुके हैं।



सामाजिक न्याय के प्रखर योद्धा थे मेघन बाबू

श्रद्धांजलि सभा में टूटी जाति, धर्म और दल की दीवार, वक्ताओं ने मेघन बाबू को बताया गरीबों का हमदर्द

अनूप नारायण सिंह

अमूमन हरेक चुनाव में नेताओं और कार्यकर्ताओं के चोले बदल जाते हैं। दल बदल जाते हैं और दिल भी बदल जाते हैं। लेकिन पुराने समाजवादी धारा के कुछ ऐसे विरले समाजवादी योद्धा थे। जिनकी अपने दल और सोसाइटी के लिये निष्ठा कभी नहीं बदलती। उत्तर बिहार की औद्योगिक राजधानी बेगूसराय के मंझौल के रहने वाले समाजवादी धारा के प्रमुख हस्ताक्षर के रूप में स्थापित डॉ मेघन गोप एक ऐसे ही समाजवादी नेता थे, जिन्होंने जीवन पर्यन्त अपने दल के लिये कभी अपनी निष्ठा नहीं बदली। चिकित्सा सेवा से जुड़े रहे डॉ गोप ने 1987 में सेवनिवृति के बाद सियासत में कदम रखा और 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली जनता दल का दामन थामा और 30 अक्टूबर 2020 अपने महाप्रयाण तक आरजेडी में बने रहे। यूं तो मेघन बाबू के रिश्ते तमाम सियासी दलों के बड़े नेताओं से प्रगाढ़ रहे लेकिन आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद से उनके निहायत ही निजी और परिवारिक रिश्ते थे। मेघन गोप और लालू प्रसाद के रिश्तों की गूँज आज भी चारों दिशाओं में सुनाई पड़ती है। 28 जनवरी 2011 का वह दिन मंझौल के लोगों के लिये बेहद खास रहा, जब मेघन बाबू के बड़े पौत्र और डी.डी. न्यूज दिल्ली में राजनीतिक पत्रकार राजेश राज के शादी समारोह में शिरकत करने के लिये लालू प्रसाद सड़क मार्ग से पटना से चलकर मंझौल, बेगूसराय पहुंचे। ये

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब



दिखाता है कि लालू जी और मेघन बाबू के संबंध कितने प्रगाढ़ थे। इसके अलावा रामविलास पासवान, शरद यादव, उपेन्द्र कुशवाहा, पप्पू यादव, रामकृपाल यादव, गजेन्द्र प्रसाद हिमांशु, तुलसीदास मेहता सरीखे समाजवादी नेताओं से भी इनके रिश्ते मधुर रहे। जबकि दलीय प्रतिबद्धता से इतर बीजेपी और जदयू के प्रमुख नेताओं से भी इनके रिश्ते इनकी व्यापकता की गवाही देते हैं। यही बजह है कि केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, गिरिराज सिंह, नित्यनंद राय जैसे बीजेपी नेताओं को भी इनसे सनेह मिलता रहा और वे आशीचार्द लेने उनके निवास पर आते रहे। बेगूसराय की सियासत में

प्रमुख भूमिका निभाने वाले बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रामजीवन सिंह, पूर्व मंत्री श्रीनारायण यादव, दिवंगत रामदेव राय और बैगूसराय के दिवंगत सांसद भोला सिंह से भी मेघन गोप के रिश्ते बेहद करीबी रहे। बलिया के पूर्व सांसद सर्वनारायण सिंह उर्फ सूज दा, बलिया की पूर्व सांसद कांग्रेस नेत्री देवी, दिवंगत चंद्रभानु देवी, दिवंगत पूर्व मंत्री हरिहर महतों, सीपीआई के पूर्व विधायक दिवंगत सुखदेव महतों जैसे नेता भी मेघन बाबू की सादगी और समाजवाद के कायल थे। 1990, 1995 के विधानसभा चुनाव में मेघन बाबू ने रामजीवन सिंह को विधानसभा पहुंचाने में एड़ी चोटी का जोर लगाया।



1995 में कपूरी ठाकुर के सहयोगी रहे मंझौल निवासी लक्ष्मी साहू समता पार्टी की टिकट पर चेरियबरियारपुर से किस्मत आजमा रहे थे। रामजीवन बाबू और लक्ष्मी साहू दोनों से मेघन बाबू के रिश्ते अत्यंत प्रगाढ़ थे। दिन भर चुनाव प्रचार के बाद लक्ष्मी बाबू रोज रात में मेघन बाबू के घर पर भोजन और दूध के लिये आमंत्रित होते थे। दोनों मित्रों में राज्य की सियासी मिजाज पर शास्त्रार्थ हुआ करता था। लक्ष्मी बाबू नीतीश कुमार और जार्ज फनर्डिस की तारीफ करते अंधाते नहीं थे, जबकि मेघन बाबू को लालू प्रसाद का बेबाकीपन और सामाजिक न्याय पसंद था। लक्ष्मी बाबू को पता था कि मेघन बाबू जनता दल में हैं और रामजीवन सिंह से उनकी करीबी मित्रता है। वसूल के पक्के लक्ष्मी बाबू ने कभी भी मेघन बाबू पर मदद करने का दबाव नहीं बनाया और मेघन बाबू ने दलीय मर्यादा को मित्रता के अडे। आने नहीं दिया। लक्ष्मी बाबू इतना जरूर कहते थे कि मेघन भाई, रामजीवन जी को कहिये मेरे समर्थन में बैठ जायें। नीतीश कुमार के नेतृत्व में समता पार्टी की सरकार बनेगी तो उनको मैं एमएलसी बनबा दंगा ये हास परिहास पूरे चुनाव चलता रहा। मेघन बाबू उन्हें मना करते थे कि रामजीवन सिंह प्रचंड मतों से जीत रहे, भला उन्हें बैठने क्यूँ कहें। इस तरह दोनों समाजवादी पूरे चुनाव भर रोज मिलते रहे लेकिन दोनों की निष्ठा दल के लिये नहीं बदली। मेघन बाबू ने दलीय निष्ठा को सर्वोपरि मानते हुए रामजीवन बाबू के लिये प्रचार किया। रामजीवन बाबू ने 25 हजार मतों से लक्ष्मी साहू को पराजित कर जीत दर्ज की। चुनाव हारने के बाद लक्ष्मी बाबू मेघन बाबू को बधाई देने हमेशा की तरह उनके घर आये और दोनों कपूरी ठाकुर की विरासत को आगे बढ़ाने को लेकर गुप्ततुग करने लगे। इमान के ऐसे पक्के थे प्रखर समाजवादी मेघन बाबू। जयमंगला हाईस्कूल मंझौल में एमएलसी बासुदेव सिंह के सहपाठी रहे मेघन गोप से उनके जूनियर सहपाठी रहे दिवंगत सांसद भोला बाबू ने पूछा कि हे प्रभु, आपके लालू प्रसाद से रिश्ते इतने प्रगाढ़ हैं। आपने कभी अपने लिये या परिवार के लिये लालू जी से कुछ भी नहीं मांगा। ये वो दौर था, जब भोला बाबू बेगूसराय आरजेडी के जिलाध्यक्ष थे और लालू चलीसा लिखने को लेकर राज्य में अनेक लोग निगम, बोर्ड के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे थे। साथ ही एमएलसी बनाये जा रहे थे। इस दौर में भी मेघन बाबू ने किसी पद की लालसा मन में नहीं पाली। आगे वो मुंह खोलते तो सत्ता या संगठन में कहीं न कहीं अच्छी जगह पा लेते। मेघन गोप जनता दल में थे, जब लालू प्रसाद ने आरजेडी बना ली। तब भी वो मूल जनता दल के ही हिस्सा रहे और रामजीवन बाबू से उनके रिश्ते मधुर रहे। लेकिन भोला बाबू जब बेगूसराय आरजेडी के जिलाध्यक्ष बने, तब उन्होंने मेघन बाबू को आरजेडी में लाने की योजना बनाई और राबड़ी देवी के मंत्रिमंडल में शामिल तत्कालीन नगर विकास मंत्री श्रीनारायण यादव के साथ भोला बाबू मेघन बाबू से मिलने उनके पैतृक आवास मंझौल पहुंचे। श्रीनारायण बाबू ने मेघन बाबू से लालू प्रसाद का सदेशा सुनाया और आरजेडी में आने का अमंत्रण दिया। तर्क दिया गया कि रामजीवन बाबू शरद यादव के साथ चले गये। ऐसे में मूल जनता दल तो लालू प्रसाद बाली है। फिर क्या था, मेघन बाबू पिघल गये और लालू प्रसाद के हो गये। लेकिन रामजीवन बाबू से उनके व्यक्तिगत रिश्ते



कभी खराब नहीं हुए। दोनों मित्र जब कभी मिलते, पूरी गर्मजोशी से मिलते थे। भोला बाबू, रामजीवन बाबू और श्रीनारायण बाबू तीनों ओहादे में भले ही मेघन बाबू से बड़े थे लेकिन उन्होंने तीनों महारथी उनसे छोटे थे। सामाजिक जीवन के तजुर्बे और उन्होंने बड़े होने की वजह से तीनों मेघन बाबू का सम्मान किया करते थे। तत्कालीन नगर विकास मंत्री श्री नारायण यादव से बाद के दिनों में उनके राजनीतिक रिश्ते परिवारिक रिश्ते में तब्दील हो गए। श्री नारायण यादव जब कभी मंझौल होकर गुजरते मेघन बाबू के घर जाकर उनसे आशीर्वाद जरूर लेते थे और घटों दोनों में राज्य और जिले की सियासत पर गुप्ततू होती थी। ये वो दौर था, जब बेगूसराय में क्युनिस्टों का बोलबाला था। श्री नारायण यादव ने 1998 के लोकसभा चुनाव में मेघन गोप के सहयोग से बलिया लोकसभा में राजबंशी महतो को सीपीआई उम्मीदवार के खिलाफ भारी बढ़त दिलाने में कामयादी हासिल की। चेरियबरियारपुर विधानसभा क्षेत्र में राजवशी महतो 27000 मतों से आगे रहे। इसमें डॉ मेघन गोप की भूमिका प्रभावी रही। श्रीनारायण यादव और मेघन गोप के रिश्ते की प्रगाढ़ता उनकी अंतिम यत्रा और श्रद्धांजलि सभा में भी साफ तौर पर दिखी, जब श्री नारायण यादव घण्टों रुक कर उनकी अंतिम यत्रा में शामिल हुए और उन्होंने के पड़ाव पर होने के बावजूद और अस्वस्था के बीच मेघन गोप की श्रद्धांजलि सभा में घटों रुके रहे और डॉ गोप को भावभीती श्रद्धांजलि अपर्णत की। मेघन बाबू के बड़े पौत्र और दिल्ली में टेलीविजन पत्रकार राजश राज एक आँखों देखी सुनाते हैं कि 2000 विधानसभा चुनाव में भोला बाबू जीजेपी से चुनाव लड़ रहे थे। लैंडलाइन पर उनका फोन आता है कि कल सुबह आपके बरीचे का फूल ही माता जयमंगला पर चढ़ाउंगा और फिर नॉमिनेशन करुंगा। समय मुकर्र हुई। मोबाइल का जमाना नहीं था। अहले सुबह जब नींद खुली तो दरवाजे पर बाबा हाथों में फूल लिये खड़े थे। कुछ ही देर बाद हमारे कैप्स में एक कार लगती है और भोला बाबू उससे प्रकट होते हैं। दोनों मित्र आँखों ही आँखों में बात करते हैं। भोला बाबू हाथ बढ़ाते हैं और मेघन बाबू अपना फूल चढ़ाते और पूजा अर्चना के बाद अपना नॉमिनेशन दाखिल करते थे। ये सिलसिला कबसे चल रहा था मुझे नहीं पता। कई चुनावों में मैंने अपनी आँखों से देखा।

लेकिन जब भोला बाबू से मैंने पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरा और मेघन बाबू का रिश्ता विचार का रिश्ता है और विचार का रिश्ता खून के रिश्ते से भी ज्यादा गाढ़ा होता है। ये रिश्ता जीवनपर्यंत चला।

मंझौल बेगूसराय के 95 वर्षीय बेगूवद समाजवादी नेता मेघन बाबू सिर्फ बेगूसराय ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण उत्तर बिहार के एक ऐसे चर्चित चेहरे थे, जिनकी स्वीकार्यता समाज के हरेक वर्ग में थी। बेगूसराय जैसे जिले में पिछड़े वर्ग से आने वाले मेघन गोप एक ऐसी शिक्षित थे, जिनके नाम पर दलों और जाति की दीवार गिर जाती थी। जिसकी बांगी देखने को मिली उनकी श्रद्धांजलि सभा में, जब क्या आम और क्या खास। हरेक धर्म, जाति और दल के लोगों ने एक लोकप्रिय समाजसेवी को अपने अपने अंदाज में अकीदत पेश की। बीजेपी, राजद, जेडीयू और लेप्ट पार्टीयों के नेताओं और कार्यकाताओं का जहाँ जमावड़ा लगा, वहीं अनेक समाजिक और राजनीतिक समाजसेवियों और चिकित्सकों ने मेघन गोप को श्रद्धांजलि अपर्णत की।

उनकी श्रद्धांजलि सभा में दूरदर्शन कोलकाता के अपर महानिदेशक सुधांशु रंजन ने कहा कि इलाके का कोई पंचायत या कोई ऐसे फैसले नहीं होते थे, जिसमें मेघन बाबू की भूमिका न होती हो। ये उनकी सर्व स्वीकार्यता को दर्शाता है। समाजवादी नेता डॉ मेघन गोप को श्रद्धांजलि देने पूर्व केंद्रीय मंत्री और पाटलिपुत्र के सांसद रामकृपाल यादव मंझौल पहुंचे और कहा कि सामाजिक ताना-बाना को दुरुस्त करने में डॉक्टर मेघन गोप की भूमिका सदैव याद की जाएगी। शहीद नित्यानंद चौक स्थित मंझौल आवासीय परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने डॉक्टर गोप को समरस समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले एक महान शिक्षित के रूप में याद किया।

बेगूसराय के नवनिर्वाचित बीजेपी विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि मेघन गोप राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक प्रतिबद्धता के बेजोड़ मिसाल थे। मशहूर शायर मुनब्बर राणा की बेटी और कांग्रेस की फायर ब्रांड नेता फाजिया राणा ने मेघन बाबू को गंगा जमुनी तहजीब का प्रतीक बताया।

राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व सांसद राजनीति प्रसाद ने कहा कि मंडल कमीशन आंदोलन के दौरान मेघन बाबू ने उत्तर बिहार में अपन चैन कायम करने में बड़ी भूमिका निभाई।



बेगूसराय के सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर ने मेघन बाबू को समाजवादी आंदोलन के सच्चे प्रहरी के रूप में याद किया। अमर ने कहा कि एक पार्टी में रहकर जीवन खपा देना उनकी विशेषता थी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। बेगूसराय के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नलिनी रंजन सिंह और शिक्षाविद डॉक्टर भगवान प्रसाद सिन्हा ने उन्हें एक शिक्षा सुधारक के रूप में याद किया और कहा कि मेघन बाबू जयमंगला हाई स्कूल मंझौल के स्कूल समिति के सदस्य रहे और जगदंबी पुस्तकालय मंझौल के आजीवन सदस्य रहे। मंझौल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को राजद के प्रदेश महासचिव अशोक यादव ने भी संबोधित किया और कहा कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद मेघन बाबू का बहुत सम्मान किया करते थे और जब भी उनका बेगूसराय आगमन होता था, वह मेघन बाबू से मिलने जरूर जाया करते थे।

उत्तर बिहार के प्रख्यात सर्जन डॉक्टर एमएन राय ने कोलकाता से अपना शोक संदेश भेजा। डॉक्टर राय ने अपने शोक संदेश में कहा कि मेघन बाबू सामाजिक एकता के सूत्रधार थे। सभा में भारत भूषण और बलभद्र ज्ञा जी ने कवीर की रचनाओं को सुनाकर भाव विभोर कर दिया तो मशहर लोक गायिका वंदना सिन्हा और रुपेश ने चिढ़ी न कई संदेश गाकर डॉक्टर गोप के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में बिहार सरकार के पूर्व नगर विकास मंत्री श्री नारायण यादव, बेगूसराय के मयर उपेंद्र प्रसाद सिंह, चेरिया बरियापुर के नवनिवाचित विधायक राजवंशी महतो, बिहार सरकार के पूर्व गन्ना मंत्री अशोक महतो, रालोसपा नेता सुदर्शन सिंह, विधान पार्षद रजनीश कुमार, जदयू नेता चितरंजन सिंह, पूर्व विधायक श्री कृष्ण सिंह, रंगकर्मी अनिल पतंग, शिक्षाविद डॉ गौतम कुमार, बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय सिंह, जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह, पूर्व मयर संजय सिंह, रजनीकांत पाठक, शिव प्रकाश भारद्वाज, एस पंडित, डॉ राम यतन सिंह समेत बड़ी

तादाद में बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन डॉक्टर राहुल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजेश राज ने किया। गौरतलब है कि मशहूर समाजवादी नेता मेघन गोप का 30 अक्टूबर को मंझौल में निधन हो गया। वे 95 साल के थे। उनकी अंतिम यात्रा में भारत सरकार के मंत्री पिरिराज सिंह समेत अनेक बड़ी हस्तियाँ शामिल हुई। डॉ मेघन गोप प्रसिद्ध सिमरिया धाम में पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके सबसे छोटे पुत्र एलआईसी पटना के अधिकारी अनिल कुमार ने पूरे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्हें मुख्यान्वि दी। इससे पहले शहीद नित्यानंद चौक मंझौल स्थित उनके आवास पर अहले सुबह पर उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। उनकी अंतिम यात्रा में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद पिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद रामजीवन सिंह, बखरी के विधायक उपेंद्र पासवान, मुजफ्फरपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ राजभूषण चौधरी, जदयू नेता चितरंजन सिंह इलाके के अनेक बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और बड़ी तादाद में आम लोग शामिल हुए। मेघन गोप की अंतिम यात्रा में जनसेलाब उमड़ आया। उनके निवास स्थान से मंझौल अनुमंडल तक दर्जनों गाड़ियों का काफिला था। सबसे आगे एक बड़े रथ पर मेघन गोप के पार्थिव शरीर को रखा गया था, जिसपर उनके बड़े पौत्र राजेश राज आगे सवार थे। शहीद नित्यानंद चौक से मंझौल अनुमंडल तक उनके काफिले को रोककर पंचमुखी हनुमान टोला, मंझौल बाजार, गांधी चौक पर बड़ी तादाद में उनके चाहने वालों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और गगनभेदी नारे लगाए। जब काफिला मंझौल से बेगूसराय पहुंचा तो बाघा में बिहार सरकार के पूर्व नगर विकास मंत्री श्री नारायण यादव और आरजेडी के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी की नेत्री और पूर्व सांसद

भोला सिंह की बहू वंदना सिंह भी उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करती हुई देखी गई। उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसेलाब उनकी लोकप्रियता की गवाही देते हैं। डॉ मेघन गोप एक ऐसे समाजसेवी थे, जिन्होंने जीवन पर्यंत समाज के अंतिम पक्ष में बैठे लोगों के लिए संघर्ष किया और मंडल कमीशन आंदोलन के दैर में समाज में समन्वय स्थापित करने की कोशिश की। मंडल आंदोलन के दौर में मेघन बाबू शोषित सद्व्यवहारना समिति के अध्यक्ष बनाये गये थे। जब सम्पूर्ण उत्तर बिहार में भारी तनाव का माहौल था, तब उन्होंने मंझौल में शार्ति कमिटी की बैठक बुलाई। साथ ही गाँव और जिले को धू धू कर जलने से बचाया। 1990 में जयमंगला हाईस्कूल मंझौल में आयोजित शार्ति बैठक का संचालन मेघन बाबू के परमपित्र शिक्षक प्रसन्न कुमार सिंह कर रहे थे। इस तरह दोनों मित्रों की सूझबूझ ने मंडल कमीशन लागू होने के बाद उत्पन्न तनाव को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई। चिकित्सा सेवा को मेघन गोप ने कभी भी प्रोफेशन बनने नहीं दिया बल्कि उसे समाजसेवा का मजबूत औजार बनाया और अपनी कई पीढ़ियों को उन्होंने चिकित्सा सेवा से जोड़कर गरीब लोगों की सेवा के लिये नई राह बनाई। यही बजह है कि उनके परिवार में उनकी कई पीढ़ियाँ डॉक्टर, ईजीनियर, बैंक अधिकारी, एलआईसी अधिकारी हैं, जबकि उनके बड़े पौत्र राजेश राज पत्रकारिता जगत के नामचीन शख्स हैं। उनके दामाद डा. भी.एस यादव सेवानिवृत्त सिविल सर्जन हैं। परदादा और परनाना तक की यात्रा करने वाले मेघन गोप के पुत्र, पोता, दामाद, नाती, पोती, बहू समेत अनेक लोग विभिन्न पदों पर आसीन हैं और उनकी यश कीर्ति का पताका लहरा रहे हैं। उनके बड़े पौत्र और उनके सहयोगी रहे विजय कुमार बताते हैं कि सामाजिक न्याय और सामाजिक सरोकार ही पिताजी की मुख्य पुंजी थी, जिसे उन्होंने अपने पुरुषार्थ से अपनी ताकत बनाई। जो ताकत समाज के गरीब लोगों के लिये एक मजबूत आवाज बनकर उभरा।



आईएएस से जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की यात्रा

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बैठक में आरसीपी सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद इसका प्रस्ताव बैठक में लाये और सर्वसम्मति से उनको राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। आइये जानते हैं की आरसीपी सिंह कौन है? हम यह भी बताते हैं की उन्होंने यहाँ तक की यात्रा कैसे पूरी की है। यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी रहे आरसीपी सिंह पहली बार नीतीश कुमार के संपर्क में तब आए। जब वो 1996 में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बेंची प्रसाद वर्मा के निजी सचिव के रूप में तैनात थे। नीतीश जब केंद्रीय मंत्री बने तो आरसीपी सिंह को अपने साथ ले आए। राज्यसभा सांसद आरसीपी सिंह को जेडीयू का नया अध्यक्ष चुना गया है। पार्टी की पटना में चल रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ये फैसला लिया गया। खुद बिहार के सीएम और अब तक पार्टी के अध्यक्ष रहे नीतीश कुमार ने इनके नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय कार्यकारिणी में रखा। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। आरसीपी सिंह, नीतीश कुमार के अच्छे दोस्त ही नहीं हैं। बल्कि, उनके बड़े सियासी सलाहकार भी हैं। यही वजह है कि पार्टी ने उन्हें जेडीयू अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। नीतीश कुमार के अध्यक्ष रहने के दौरान आरसीपी सिंह यानी रामचंद्र प्रसाद सिंह नवर दो की हैसियत रखते थे। हालांकि, वो ज्यादा सुर्खियों में रहना पसंद नहीं करते। बिहार चुनाव के दौरान पार्टी की रणनीति तय करना, प्रदेश की अफसरशाही को कंट्रोल करना, सरकार की नीतियां बनाना और उनको लागू करने जैसे सभी कामों का जिम्मा उनके कंधों पर रहा। जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। यही वजह है कि उन्हें 'जेडीयू का चाणक्य' भी कहा जाता है। यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी रहे आरसीपी सिंह पहली बार नीतीश के संपर्क में तब आए जब वो 1996 में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बेंची प्रसाद वर्मा के निजी सचिव के रूप में तैनात थे। नीतीश कुमार



और आरसीपी सिंह के बीच दोस्ती इसलिए भी गहरी हुई क्योंकि दोनों ही बिहार के नालंदा से हैं और एक ही जाति आते हैं। कहा ये भी जाता है कि नीतीश कुमार आरसीपी सिंह के नौकरशाह के तौर पर उनकी भूमिका से काफी प्रभावित थे। नीतीश कुमार जब केंद्र मंत्री बने तो आरसीपी सिंह को अपने साथ ले आए। नीतीश कुमार रेलमंत्री बने थे तो आरसीपी सिंह को विशेष सचिव बनाया। नवंबर 2005 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने तो आरसीपी सिंह को साथ लेकर बिहार भी आए और प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद आरसीपी की जेडीयू में पकड़ मजबूत होने लगी। 2010 में आरसीपी सिंह ने वीआरएस लिया, फिर जेडीयू ने उन्हें राज्यसभा के नामित किया। 2016 में पार्टी ने उन्हें फिर से राज्यसभा भेजा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा चौंकाने वाले फैसले लेने के लिए जाने जाते हैं।

आरसीपी सिंह ने पार्टी को मजबूत बनाने में अपना विशेष योगदान दिया है : दंगीत झा

युवा जदयू के राष्ट्रीय सचिव रंजीत कुमार झा ने जदयू के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) सह राज्यसभा सांसद आरसीपी सिंह को जदयू के नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामना दी है। झा ने कहा की आरसीपी सिंह जदयू के एक समर्पित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं। जिन्होंने जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए वर्षों तक काम किया है। रंजीत झा ने कहा की आरसीपी सिंह जदयू के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) रहते हुए बिहार के साथ ही अन्य प्रदेशों में भी जदयू के लिए नौजवानों



का संगठन खड़ा किया और पार्टी को मजबूत बनाने में अपना विशेष योगदान दिया। झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा की जिस तरीके से इन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में बिहार तथा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पुरे तन-मन से अपनी सेवा दी है, वे अतुलनीय हैं। उन्होंने कहा की आर० सी ० सिंह के पास लंबा संगठनात्मक अनुभव है और वे पार्टी को मजबूती देने के लिए अनवरत लगे रहते हैं, ऐसे में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पार्टी को बहुत ज्यादा मजबूती मिलेगी।

चकाई बनेगा चंडीगढ़

अनूप नारायण सिंह

चकाई से निर्दलीय विधायक सुमित कुमार सिंह ने आज कहा कि वे चकाई को चंडीगढ़ बनाएंगे पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा की मेरी संकल्पना करीब एक दशक पहले की है। उस दिशा में एक ठोस कदम है माधोपुर स्थित 110 एकड़ में फैला महावीर वाटिका इको पार्क। यह पार्क दर्शात है कि चकाई-सोनो क्षेत्र में कितनी संभवनाएं हैं! मेरी शुरू से वृष्टि रही है कि चकाई विधानसभा क्षेत्र पर प्रकृति की जो अनुपम कृपा है उसका दोहन न करके सिर्फ सुंदर तरीके से इस्तेमाल हो तो पूरे बिहार ही नहीं, देश का सर्वोत्तम प्रकृति पर्यटन का स्थल बन सकता है। मैं सदैव इसके लिए प्रयासरत था, अब जबकि यह बनकर तैयार हो गया तो इसके समर्पण संबर्द्धन और इसे गाढ़ीय-अंतरराज्यीय पर्यटन मानोचत्र पर लाने के मकसद से मैं आज इसका स्थल निरीक्षण किया। इसे इस रूप में संवर्द्धित करना है जिससे यह बिहार-झारखंड राज्य के नागरिकों के बीच ही नहीं प्रकृति पर्यटन के प्रति उत्सुक पर्यटकों के लिए नेशनल लेवल पर आकर्षण का केंद्र बने। बिहार झारखंड की सीमा पर देवघर से महज 20-22 किमी दूर है। वहाँ एग्रपोर्ट तैयार हो रहा है, इसके बाद इसके लिए संभवनाएं असीम हैं। श्री सिंह ने कहा कि इसलिए मैं इसे अंतरराज्यीय मानक के अनुरूप और बहुत सारी सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में प्रयास करूंगा। यहाँ कैफेटेरिया, थियेटर, महावीर कुण्ड में भगवान महावीर की प्रतिमा, बर्ड पार्क, झरना बनाने का मांग के साथ इसकी समृच्छित कार्ययोजना एवं इसकी समृच्छित ब्रॉडिंग के बारे में अपना नजरिया औपचारिक रूप से सरकार से साझा करूंगा। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत विधायक मद से पार्क में हाईमास्ट लाइट लगवाएंगे। भविष्य में यहाँ बोटिंग हो, बटरफ्लाई जोन, मधुमक्खी फार्मिंग के लिए भी प्रयास करेंगे। इस पार्क में जो भी आवश्यकता होगी उसे हम प्राथमिकता



के तौर पर पूरा करेंगे ताकि अपना चकाई विधानसभा क्षेत्र चंडीगढ़ बनने की ओर अग्रसर हो। विधायक सुमित कुमार सिंह ने कहा कि मैं सभी लोगों से अपील करता हूँ कि नए साल में यहाँ आएं, प्रकृति, मनोरंजन और आनंद के अनुपम समावेश का लाभ जरूर उठाएं। शहरी जीवन में जिस प्रदूषण से हमारा परिवेश नर्क बन रहा है, उससे एक दिन में मुक्त हो सकते हैं। यहाँ ऐसे औषधीय पेड़-पौधे हैं जो आपके मन-प्राण को सुवाषित कर देंगे। इस पार्क में कल्प वृक्ष, रुद्र वन में रुद्राक्ष वृक्ष, त्रिफला वन, कपूर का पेड़, पाम आइलैंड, नेचुरल बायोडायवर्सिटी जॉन, साथ ही साथ यहाँ मेवाकी तकनीक से वृक्ष लगाया गया है। महावीर आइलैंड है, जिसमें लेक है। परिजात वृक्ष, सागवान, गमहार, कंपा फलदार वृक्ष, रोजहुड, रबड़ प्लांट, साथ ही जो पेड़ विलुप्त होते जा रहे हैं उन्हें भी यहाँ जीवंत किया जा रहा है। शिवकुण्ड जिसमें मछली पालन होता है। प्राकृतिक

और आर्टिफिशियल दोनों तालाब है। रुद्रा वन जिसमें भगवान शंकर के पूजन हेतु सभी प्रकार के सामग्री उपलब्ध है। अशोक वाटिका जिसे बंगल के कारीगरों द्वारा सुसज्जित किया गया है। बच्चों के खेल कूट के लिए झूला आदि लगाया गया है। सेब का वृक्ष भी यहाँ लगाया गया है जो आने वाले समय में यहाँ के लोगों के लिए सेब उपलब्ध होगा। साइकिलिंग का लुत्फ भी यहाँ उठाया जा सकता है, यहाँ टोटो वाहन भी उपलब्ध है जिसे पर्यटकों को 80 रुपए में पूरा पार्क घूम सकते हैं। रिसर्च सेंटर, स्पाइस गार्डन, चंदन वन भी हैं।

मौके पर वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी राजेश कुमार जी, राजीव रंजन पांडेय जी, गोविंद चौधरी जी, रंजीत राय जी, कांग्रेस दास जी, रामचंद्र पासवान जी, अमित तिवारी जी, मिथिलेश राय जी, पंचानंद राय जी, दीपक पांडे जी, दिलीप उपाध्याय जी, राजेंद्र मांझी जी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।



लोकतंत्र में जनता मालिक है : युवराज सुधीर सिंह

अनूप नारायण सिंह

चुनाव हारना या जीतना किसी की लोकप्रियता का पैमाना नहीं होता है यह लोकतंत्र है और लोकतंत्र में जनता मालिक है तरेया विधानसभा क्षेत्र के लोगों के विशेष आग्रह स्नेह के बल पर में निर्दलीय चुनाव में खड़ा हुआ 15000 लोगों ने मेरे ऊपर विश्वास जताया जबकि मैं निर्दलीय प्रत्याशी था मैंने तन मन धन से लोगों की सेवा में 13 वर्षों तक दिन रात एक कर दिया बाढ़ में दुख दर्द में लोगों की सेवा की बावजूद इसके मैं चुनाव नहीं जीत सका इसका मतलब यह नहीं कि तरेया के लोग मुझे प्यार नहीं करते या मैं इतना के लोगों की सेवा से पीछे हट जाऊंगा।



मैं किसी पर कोई दोषारोपण भी नहीं करना चाहता कुछ मेरे अंदर ही ऐसी कमी रही होगी इसके काण्ठ जितना जनसमर्थन की आशा मुझे थी नहीं मिल पाया मैं अपने समर्थकों शुभाचंतक हूं और क्षेत्र के जुनूनी कार्यकाताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने विकट परिस्थिति में मेरा साथ दिया मैं तरेया के लोगों से वादा करता हूं कि मैं आपकी सेवा में सदैव तप्पर रहूंगा साथ ही साथ में वैसे लोगों को भी सचेत करना चाहता हूं जो मुझे भड़का कर मेरे कार्यकाताओं के साथ मारपीट कर कर मेरे आत्मसम्मान को ललकार कर करके राजनीति में अपनी डूबी हुई नाव को फिर से चमकाना चाहते हैं। राजनीति में दलालों का मैं नोटिस नहीं लेता पर वे जानते हैं कि युवराज सुधीर सिंह क्या चीज़ है मेरे साथ बड़े पिताजी प्रभुनाथ सिंह पिता दीनानाथ सिंह समेत परिवार के राजनीतिक विरासत मान स्वाभिमान जुड़ा हुआ है इस कारण से मैं खामोश हूं पर मेरी खामोशी को कमजोरी नहीं समझे जब-जब समाज पर आत्मसम्मान पर कार्यकाताओं के स्वाभिमान पर माताओं बहनों की इज्जत पर आंच जाएगा मैं कोई भी बड़ा से बड़ा कदम उठाने से पीछे नहीं हटूंगा। इंतजार कींजिए मैं फिर से आपके बीच आ रहा हूं उसी जोश उसी खरोश के साथ मैं आपका था आपका हूं आपका रहूंगा।



जानिए क्यों खास है पटना का महावीर मंदिर



अनूप नारायण सिंह

बिहार की राजधानी पटना के हृदयस्थली अवस्थित उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध मंदिर है। सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में रामनवमी के दिन अयोध्या की हनुमानगढ़ी के बाद सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ती है। इस मंदिर में आकर शीश नवाने से भक्तों की मनोकामना पूर्ति होती है। इस मंदिर को हर दिन लगभग एक लाख रुपये की राशि विभिन्न मदों से प्राप्त होती है। इस मंदिर को 1730 इस्की में स्वामी बालानंद ने स्थापित किया था। साल 1900 तक यह मंदिर रामानंद संप्रदाय के अधीन था।

उसके बाद इसपर 1948 तक इसपर गोसाइं संन्यासियों का कब्जा रहा। साल 1948 में पटना हाइकोर्ट ने इसे सार्वजनिक मंदिर घोषित कर दिया। उसके बाद आचार्य किशोर कुण्डल के प्रयास से साल 1983 से 1985 के बीच वर्तमान मंदिर का निर्माण शुरू हुआ और आज इस भव्य मंदिर के द्वार सबके लिए खुले हैं।

इस मंदिर का मुख्य द्वार उत्तर दिशा की ओर है और मंदिर के गर्भगृह में भगवान हनुमान की मूर्तियां हैं। इस मंदिर में सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं। यहाँ की एक खास बात यह है कि यहाँ रामसेतु का पत्थर कांच के बरतन में रखा हुआ है। इस पत्थर का वजन 15 किलो है और यह पत्थर पानी में तैरता रहता है। यह मंदिर बाकी हनुमान मंदिरों से कुछ अलग है,

इस मंदिर का मुख्य द्वार उत्तर दिशा की ओर है और मंदिर के गर्भगृह में भगवान हनुमान की मूर्तियां हैं। इस मंदिर में सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं। यहाँ की एक खास बात यह है कि यहाँ रामसेतु का पत्थर कांच के बरतन में रखा हुआ है। इस पत्थर का वजन 15 किलो है और यह पत्थर पानी में तैरता है। यह मंदिर बाकी हनुमान मंदिरों से कुछ अलग है, क्योंकि यहाँ बजरंग बली की युद्ध मूर्तियां एक साथ हैं।

क्योंकि यहाँ बजरंग बली की युद्ध मूर्तियां एक साथ हैं। एक मूर्ति परित्राणाय साध्यानाम अर्थात् अच्छे लोगों के कारज पूर्ण करने वाली है और दूसरी मूर्ति- विनाशाय च दुष्कराम्बु, अर्थात् बुरे लोगों की बुराई दूर करने वाली है।

यह मंदिर पटना रेलवे स्टेशन से निकल कर उत्तर दिशा की ओर स्थित है प्रसिद्ध महावीर मंदिर पटना जंक्शन परिसर से सटे ही बना हुआ है। मंदिर प्राचीन है, जिसे 80 के दशक में नया रंग-रूप दिया गया। पटना आने वाले श्रद्धालु यहाँ सिर नवाना नहीं भूलते।

लाखों तीर्थयात्री इस मंदिर में आते हैं। यहाँ मंगलवार और शनिवार के दिन सबसे अधिक संख्या में भक्त जुटते हैं। यहाँ हनुमान जी को धी के लड्ढ़ नैवेद्यम का भाग लगाया जाता है, जिसे तिरुप्ति के कारीगर तैयार करते हैं। हर दिन यहाँ करीब 25,000 लड्हाओं की बिक्री होती है।

महावीर मंदिर ट्रस्ट के अनुसार इन लड्हाओं से जो पैसा आता है वह महावीर कैंसर संस्थान में उन मरीजों पर खर्च किया जाता है जो आर्थिक रूप से कमज़ोर हैं और कैंसर का इलाज करवाने में सक्षम नहीं हैं।

बेगूसराय में ट्रैफिक जाम की समस्या अनंत है

सलिल सरोज/ नई दिल्ली



"यात्रा के दरम्यान आपका सारा प्रोग्राम और प्लान धरा का धरा रह जाता है। बेगूसराय के सिमरिया पुल पर लगे जाम को लगता है हम और आप इसे मानव जीवन के अंग के रूप में आत्मसात कर चुके हैं। इस पुल पर जाम का हिस्सा सबों को बनना पड़ता है। हो भी क्यों न सिमरिया घाट पर विश्वविद्यालय शमशान जो है। भारी भरकम प्रशासन पर भूत और प्रेत हावी हो जाते हैं। दर्जनों मानव का अंतिम संस्कार इस गंगा जी के घाट पर हर रोज होता है। इसमें अकाल मृत्यु वाले भी कई होते हैं। लगता है यही दिवंगत आत्मा ट्रैफिक को डिस्टर्ब करते हैं। अब आप मुझे यह मत कहना कि पढ़ने लिखने के बाद कैसी बातें करते हैं। बचपन से सुनता आया हूँ कि जब विज्ञान समस्या का समाधान नहीं कर पाता है तो कुछ न कुछ अज्ञात शक्ति बना या बिगाड़ रहा होता है आई आई टी के इंजीनियर, आई आई एम के मैनेजेंट गुरु और स्वकथित करोड़ों के प्रतिनिधि नेताओं से समस्या का हल नहीं हो पा रहा है। यह तो पक्का है यहाँ का भूत और प्रेत सबों पर भारी है। हे, प्रेतात्मा गाड़ी में बैठे बैठे यात्री के प्लान को चौपट न करें। मजबूरी में पैदल पुल पार कर रहे बच्चों एवं महिलाओं पर रहम करें। भारी भरकम बैग लेकर इन्हें चलने में परेशानी होती है। रोगियों को वैसे भी आपने कब्र में लटका रखा है। क्यों इन्हें डायरेक्ट शमशान बुलाना चाहते हैं। आपके आशीर्वाद की आशा में, एक बेचारा जाम का मारा"- एक शुक्रभोगी।

शहर में जाम की समस्या इतनी गंभीर है कि अब सड़क से गुजरते समय हमें भी बुरा लगता है। हाल यह है कि मैं खुद शहर से गुजरते समय गाड़ी से सामने सड़क की तरफ नहीं देखता हूँ। हमलोग तो जाम से किसी तरह निकल जाते हैं, लेकिन आम लोग रोज इस जाम से परेशान होते हैं। ठोस रणनीति नहीं होने के कारण जाम की स्थिति गंभीर हो गई है। उक्त बातें बेगूसराय के भूतपूर्व डीएम राहुल कुमार ने शहर में जाम की गंभीर होती समस्या का समाधान ढूँढ़ने के लिए जिले के अधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कही थी।

उपरोक्त कथन से यह बिलकुल स्पष्ट है कि बेगूसराय शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या अपने चरम पर है और यहाँ के स्थानीय निवासियों को रोज इस समस्या से होकर गुजरना पड़ता है। इस जाम से कितना अर्थिक, मानसिक और सामाजिक नुकशान पहुँचाता है यह इस चर्चा में बाद में आएगी पहले इस समस्या से उत्पन्न शारीरिक कष्ट से दो चार हो लिया जाए। सबसे अधिक परेशानी लोगों को कच्छरी रोड, मेन रोड, कॉलेजेट स्कूल रोड, कपरी स्थान रोड में होती है। जहाँ लोगों को पैदल चलने में भी भारी मशक्कत करनी पड़ती है। इन दिनों बेगूसराय शहर के ट्रैफिक चौक से लेकर हरहर-महादेव चौक तक राष्ट्रीय उच्च पथ 31



पर भी महाजाम देखने को मिलता है। अतिक्रमण की समस्या लोगों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। बेगूसराय शहर आम दिनों में अतिक्रमण का शिकार होता रहा है। यहाँ की हर सड़कें साइकिल, बाइक, ठेला, रिक्षा और टेंपो के आवागमन से पूर्णतः अतिक्रमित रहता है। जिसके चलते प्रतिदिन लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। शहर में विकराल होती जा रही महाजाम की स्थिति से शहरवासी और दूर-दराज से आने वाले जरूरतमंदों को भारी कठिनाईयों का समाना करना पड़ता है। कई बार महाजाम में फंसने से मरीजों की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। स्कूल एवं कोर्चिंग जाने वाले छात्र-छात्राएं अपनी साइकिल का भरपूर उपयोग नहीं कर पाते हैं। मजबूरन जाम में पैदल ही लंबी दूरी तय करना पड़ता है। जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन इस सवाल पर कई बार गंभीर हुई है। कई तरह के निर्देश भी दिये गये। अभियान भी चलाया गया। लेकिन उक्त अभियान आज तक कारण नहीं हो पाया है। संतोषजनक ट्रैफिक व्यवस्था नहीं रहने से परिणाम ढाक के तीन पात वाली कहावत को चरितार्थ कर रही है।

कपसिया चौक से रमजानपुर तक राष्ट्रीय उच्च पथ 31 पर तो लगातार वाहनों को लंबी कतार देखने को मिलती है। वहीं शहर के हर-हर महादेव चौक से विशनपुर तक पावर हाउस से कपरी स्थान तक, स्टेशन चौक से गांधी चौक तक और ट्रैफिक चौक से काली स्थान तक सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक सड़कें अतिक्रमित रहती हैं। खास कर ट्रैफिक चौक से काली स्थान तक सड़क के दोनों तरफ अनधिकृत रूप से वाहनों की पार्किंग से घंटों जाम लगा रहता है। सड़क के दोनों तरफ फुटकर और खुदरा विक्रेताओं के कारण तो और जाम लग जाता है। दरअसल सड़क के दोनों तरफ तीन मजिला इमारतों में कई तरह के दुकानें, मॉल, बैंक संचालित किये जा रहे हैं। लेकिन इन प्रतिष्ठानों के द्वारा पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। यहाँ तक कि खुद प्रतिष्ठान के संचालकों की भी गाड़ी सड़क

पर ही पार्क की जाती है। बाजार पहुँचने वाले ग्राहक भी सड़क पर ही अपनी गाड़ी पार्क कर समान की खरीदारी में लग जाते हैं। जीडी कॉलेज चौक पर सड़क चौड़ी है परंतु निजी शिक्षण संस्थानों के बस एवं अन्य वाहनों को बीच सड़क पर ही पार्क कर दिया जाता है, जिससे यहाँ प्रतिदिन जाम की समस्या से लोग घंटों जूझते हैं। सड़कों पर ई-रिक्षा की संख्या में इन दिनों इजाफा हुआ है लेकिन जिला प्रशासन के द्वारा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ई-रिक्षा को व्यवस्थित नहीं करने से प्रायः जाम की समस्या बनती है। अनुमान के मुताबिक शहर में 4 हजार से अधिक ई-रिक्षा का परिवालन शहर की सड़कों पर हो रहा है। लेकिन परिवहन विभाग में अब तक 468 ई-रिक्षा का रजिस्ट्रेशन हो सका है। हालांकि पूर्व में ई-रिक्षा का निबंधन नगर निगम कार्यालय में किया गया था। ई-रिक्षा को लेकर जिला प्रशासन, परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और निगम प्रशासन के अधिकारियों ने कई बार मीटिंग भी की। लेकिन नतीजा बेहतर नहीं निकल सका है। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ई-रिक्षा जहाँ-तहाँ लगा दिया जाता है। जिससे जाम की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गयी है खानापूर्ति : शहर में अतिक्रमण हटाने की पहल की अगर बात करें तो बेगूसराय नगर निगम प्रशासन के द्वारा लाठी-डंडा भांज कर जाम हटाने का समय-समय पर प्रयास किया जाता है। लेकिन यह प्रयास स्थायी नहीं रह पाता है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के महज कुछ घंटे बाद ही पुनः वहीं दृश्य दिखाई पड़ने लगता है। शहर में ई-रिक्षा की बिक्री भी अवैध तरीके से हो रही है। ई-रिक्षा चालकों के पास रिक्षा खरीदने का वैध कागजात नहीं है। जबकि अन्य वाहनों की तरह ई-रिक्षा की बिक्री करने वाले विक्रेताओं को रिक्षा बिक्री के समय निबंधन करके ही रिक्षा देने का विभागीय प्रावधान है। ई-रिक्षा की बिक्री के लिए भी ट्रेड लाइसेंस आवश्यक बताया गया है। इसके लिए विक्रेता को परिवहन विभाग

से यूजर पासवर्ड लेना जरूरी होता है।

बेगूसराय मुख्यालय में जाम लगने के अन्य कारण भी उतने ही कारगर हैं जितने ऊपर बताए हुए। बेगूसराय मुख्यालय आसपास के कई गांवों को जोड़ता है जहाँ से रोज हजारों की संख्या में लोग - बढ़ी , मजदूर , राजमिस्त्री , बिजली के कारिगर , फल और सब्जी विक्रेता एवं इसी तरह अन्य रोजगारों से जुड़े लोग यहाँ आते हैं। जहाँ से बड़ी संख्या में लोगों का शहर में प्रवेश होता है जो हैं - रामदीरी, मठिहानी, बदलपुरा, कैथमा, सिहमा , लाखो , बखरी , बिष्णुपुर , बरौनी , बीहट , मोकामा , हथीदह , बखड़ा तथा छितनौर। इस जनसंख्या के साथ इनके सहकर्मी और परिजन भी किसी न किसी रूप में आते हैं। अगर कोई रोगी है तो उसके साथ उसको देखने वाला, अगर कोई खरीददार है तो उसके साथ कोई पसंद करने वाला, अगर कोई छात्रा है तो उसके साथ कोई अधिभावक , अगर कोई बस ड्राइवर है तो उसके साथ कंडक्टर, यदि कोई फल विक्रेता है तो उसके साथ उसका पार्टनर और अमूमन यही स्थिति हर रोजगार परक लोगों के साथ है जो आस पास से बेगूसराय आते हैं। या तो प्रशासन इस बाबत सोचती नहीं या फिर आँखें मूँदकर सब ठीक हैं वाली स्थिति से खुश नजर आती है। इस बड़ी तादात में आने वाले लोगों के साथ आने वाले वाहन और उनके सामानों को रखने के लिए शहर में कहीं कोई सुविधा के नाम पर पार्किंग या लॉकर रूम नहीं है। जिन्हें जहाँ जगह मिलती है अपना सामन रख कर अपने कामों में लग जाते हैं और आराम भी वहीं करना पड़ता है। इस तरह से लम्बी-चौड़ी सड़कें भी कोई गली सी प्रतीत होने लगती हैं।

दूसरे कारणों में बेगूसराय मुख्यालय अच्छे चिकित्सक , अच्छे विद्यालय और बड़ी मार्किट के लिए जाना जाता है जबकि आस पास के इलाकों में यह सब सुविधाएं नदारद नजर आती हैं। पंचायती राज को अगर सही से लाग किया गया होता और गांवों को आत्मनिर्भर किया गया होता तो रोज होने वाले इतने बड़े माइग्रेशन और उस से उत्पन्न होने वाले समस्या से निजात पाया जा सकता था। प्रशासन के पास मोबाइल ए टी एम , सर्विस वैन , सासाहिक बाजारों के आयोजन , ग्रामीण इलाकों में परीक्षा केंद्रों का विकेन्द्रीकरण व डॉक्टरों की ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक दूरी के नाम पर सब राम भरोसे ही दिखता है।

बेगूसराय शहर का क्षेत्रफल 1918 स्क्वैर किलोमीटर है जो इतने ज्यादा वाहनों को एकत्रित करने और सुसंगठित ढंग से रखने के लिए अपर्याप्त है अगर सही तरीके से कार्यवाही नहीं की जाती है तो तथा यहाँ से एन एच 31 गुजरती है जो इसकी परिधि के लगभग बीच से गुजरती है। सावित्री सिनेमा हाल के नजदीक जहाँ शहर राष्ट्रीय राजमार्ग को मिलता है यहाँ की जाम की स्थिति भयावह है। यह न केवल देरी का कारण बनता है बल्कि दुर्घटना, चोरी , छीना-झपटी का भी कारण भी बनता है। इन राजमार्गों पर दौड़ने वाले ट्रकों के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नजर नहीं आती और ट्रैफिक पुलिस अपनी बदहाल स्थिति को कोसने से ज्यादा भर कुछ भी नहीं कर पाते हैं। इस क्रम में यह जानना आवश्यक है कि इसी साल के मार्च में बेगूसराय में ट्रैफिक डीएसपी ने ट्रैफिक नियंत्रण के दौरान ऐसा डंडा चटकाया कि एक ड्राइवर को अपनी आँख गंवानी पड़ी। हालांकि पुलिस इसे ट्रैफिक नियंत्रण के दौरान

भूलवश चोट लगने की बात कहती रही। और भी जीरो माइल चेक पोस्ट के संबंध में चेक पोस्ट ओवरलोडिंग, शराब की बिक्री और बालू-गिरी का आवाजाही पर लगाम कसना अभी भी बाकी है। उसके ऊपर चेक पोस्ट पर तैनात कुछ पुलिसकर्मी और होमगार्ड के जवान अवैध पैसे की वसूली करते हैं। इस तरह से शहर में अवैध परिवहनों का आवा गमन होता है। बिहार राज्य परिवहन की बसों की सुविधा नगण्य के बराबर है और जो हैं उनकी स्थिति कुछ खास अच्छी नहीं है। लोगों को घंटों इन बसों का इंतजार करना पड़ता है और फिर भी बसों में सीट नहीं मिल पाती तथा प्राइवेट बस मालिकों की तेज रफ्तार दौड़ी बसों के आगे सरकारी बसें हाँफती और अपनी जान बचाती ही दिखती हैं। अच्छी सड़कों और सरकारी परिवहन की सुविधा ना होने की वजह से भी लोग ज्यादा देर तक सड़कों पर खड़े रहते हैं जिससे जाम लगता है। हर आदमी अपनी गाड़ी से आना पसंद करता है क्योंकि यही एक ऑप्शन उनके पास बचता है। सरकारी परिवहन किस तरह से भीड़ को दूर कर सकते हैं, इस पर स्थानीय प्रशासन को जरूर काम करना होगा।

ट्रैफिक जाम से केवल शारीरिक ही नहीं आर्थिक , मानसिक और सामाजिक नुकसान भी है।

"1.44 लाख करोड़ रु। यह सिर्फ चार प्रमुख भारतीय शहरों, दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और कोलकाता में यातायात की भीड़ से बचने की सामाजिक लागत है। संयोग से, यह राशि बजट 2018 में भारत के शिक्षा बुनियादी ढांचे को अपडेट करने के लिए सरकार द्वारा आवार्टिंट की गई राशि से 50 प्रतिशत अधिक है, ऐसा बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट ने कहा।" टिकाऊ परिवहन के लिए एक बदलाव को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के बावजूद, यातायात भीड़ अक्सर गतिशीलता पर बहस का ध्यान केंद्रित है। 1990 के दशक में अटोमोबाइल की वैश्विक मांग में काफी वृद्धि हुई, 2017 के बाद से लगभग 80 मिलियन वाहनों की वार्षिक बिक्री स्थिर है। कारों की बाढ़ का सामना करना पड़ा, दशकों से सरकारों ने नागरिकों की गतिशीलता में सुधार करने का प्रयास किया है - कुछ उपाय मौजूदा सड़कों को चौड़ा करने और निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। नए लोग, जबकि अन्य सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने जैसे विकल्पों के लिए एक स्विच को प्रोत्साहित करते हैं।"

भारत में प्रति 1000 लोगों पर 1.2 बसें हैं, जो विकासशीक देशों कोई अपेक्षा में बहुत ही कम है। राज्यों के बीच एक विशाल विषयमात्रा महसूस किया जा सकता है - कनार्टक में प्रति 1000 लोगों पर 3.9 बसें बनाम बिहार में प्रति 1000 लोगों पर 0.02 बसें, नीती अयोग इंडिया मोबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार। नई सड़कों का निर्माण या मौजूदा लोगों के लिए अधिक गलियों को जोड़ना स्पष्ट समाधान के रूप में लग सकता है। यह निश्चित रूप से पर्याप्त तार्किक लगता है: जैसे-जैसे शहर बड़े होते हैं, उनकी सेवा करने वाली सड़कों को उसी प्रवृत्ति का पालन करना चाहिए। यदि उनके पास व्यापक या नई सड़कें हैं, तो चालकों के पास स्थानांतरित करने के लिए अधिक स्थान होना चाहिए, जो भीड़ से छुटकारा दिलाता है और कारों को तेजी से आगे बढ़ाता है। इस तर्क का उपयोग अक्सर सरकारी अधिकारियों द्वारा नए और अक्सर महंगे बुनियादी ढांचा

परियोजनाओं के महत्व पर विस्तृत रूप से किया जाता है। हालांकि, यह हमेशा व्यवहार में इस तरह से नहीं निकला, और इसके पीछे के कारण प्रेरित मांग के दीर्घकालिक प्रभाव में पाए जा सकते हैं। शब्द "प्रेरित मांग" उस स्थिति को संदर्भित करता है जहाँ एक अच्छी वृद्धि की आपूर्ति के रूप में, उस अच्छे की अधिक खपत होती है। इसका तात्पर्य यह है कि नई सड़कें अनिवार्य रूप से अतिरिक्त यातायात का निर्माण करती हैं, जिसके कारण वे फिर से पूरी तरह से भीड़भाड़ हो जाते हैं। हालांकि, ये सुधार लोगों के व्यवहार को बदल देते हैं। चालक जो पहले भीड़भाड़ के कारण उस मार्ग से बचते थे अब इसे एक आकर्षक विकल्प मानते हैं। पहले जो लोग सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या परिवहन के अन्य तरीकों का इस्तेमाल करते थे, वे अपनी कारों का उपयोग करने के लिए शिफ्ट हो सकते हैं। कुछ लोग अपनी यात्रा के समय को बदल सकते हैं - भीड़-भाड़ से बचने के लिए ऑफ-पीक समय में यात्रा करने के बजाय, वे पीक-टाइम में यात्रा करना शुरू कर देते हैं, जिससे भीड़ बढ़ जाती है। इसलिए, जैसा कि अधिक लोग राजमार्ग का उपयोग करना शुरू करते हैं, प्रारंभिक समय की बचत प्रभाव कम हो जाता है और अंततः गायब हो जाता है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि बेगूसराय शहर में सबसे पहले पार्किंग की व्यवस्था अनिवार्य करनी होगी। शहर में प्रत्येक दिन खुल रहे बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों के संचालकों को भी पार्किंग को लेकर कड़ा निर्देश देना होगा। वहीं दूसरी ओर फुटकर और खुदरा दुकानदारों के लिए वैकल्पिक जाह तलाशनी होगी ताकि इन दुकानदारों को रोजी-रोटी के लिए भटकना न पड़े। जाम लगने के प्रमुख कारण एनएच सहित नगर निगम की मुख्य सड़कों का चौड़ीकरण नहीं किया जाना, गाड़ियों की लगातार बढ़ ही संख्या, खुदरा विक्रेताओं, ठेला दुकानदारों द्वारा सड़कों को अतिक्रमित किया जाना, सड़क पर डिवाइडर की व्यवस्था नहीं होना

पार्किंग की ठोस व्यवस्था का नहीं होना, शहर के अंदर भारी वाहनों और चार पहिया वाहनों के प्रवेश के कारणबेहतर ट्रैफिक व्यवस्था का नहीं होना शामिल हैं।

जिले के सारे जरूरत एक छोटे वृत्ताकार परिधि में पूरा होना भी जाम का कारण है। औरें का कहना है कि मास्टर प्लान के तहत फ्लाईओवर का निर्माण हो तो जाम से छूटकारा मिल सकता है। इरिक्सा स्टैंड का निर्माण करने और उसके रूट तय करने से सब्जी विक्रेता को व्यवस्थित बाजार उपलब्ध कराने, ठेला चालकों को व्यवस्थित करने, नगरपालिका चौक से चांदी चौक तक फुटपाथ का निर्माण कराने, हर-हर महादेव चौक से पेटेल चौक तक अतिक्रमण मुक्त करने से ही जाम की समस्या से लोगों को निजात मिल सकती है। शहर के महत्वपूर्ण सड़कों को चौड़ीकरण करना, वाहनों के प्रवेश और निकास के रास्ते को तय करना, शहर की कई सड़कों पर बन वे व्यवस्था की जरूरत, खुदरा और फुटपाथी दुकानदारों के लिए अलग जगह तय करना, सड़क पर डिवाइडर सहित सभी महत्वपूर्ण जगहों पर ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करना, पार्किंग की व्यवस्था को सुदृढ़ करने की जरूरत व मास्टर प्लान के तहत शहर की व्यवस्था को दुरुस्त करना इस निजात से पार पाने मि मुहीम में एक जबरदस्त सफलता दिला सकता है।

सहजता, जन सेवा भाव एवं पुरुषार्थ से बिहार की राजनीति में तेजी से उभरता चेहरा - रंजीत झा

रंजीत कुमार झा बिहार की राजनीति में युवाओं के बीच उभरते हुए नेता है जो मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके से हैं और इस इलाके में युवाओं सहित आम जनों में काफी लोकप्रिय हैं। विगत चुनाव में ये झंझारपुर विधानसभा से जद यू के प्रबल दावेदार थे लेकिन सीट गठबंधन में भाजपा को चले जाने के कारण चुनाव लड़ने से वंचित रह गये। अभी युवा जद यू के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के पद पर हैं।

पिछले दिनों जब झंझारपुर को जब नगर पंचायत को नगर परिषद में परिवर्तित करने के लिए मांग उठी तो एकमात्र राजनीतिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने इसके लिए जिलाधिकारी को मिल कर सुझाव पत्र दिया और प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजवाया।

चाहे कोरोना पीड़ितों को मदद करने की बात हो या बाढ़ पीड़ितों को मदद पहुँचाना हो ये हमेशा इस इलाके के लोगों के सुख-दुःख में साथ खड़े होते हैं।

कोरोना प्रकोप फैलने के समय पीड़ित के मदद के लिए बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे थे। इस आपदा के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष में अपना योगदान दिया, प्रभात खबर द्वारा हाकरों को दिये जा रहे राशन अभियान में उन्होंने झंझारपुर के सभी हाकरों को राशन मुहैया कराया। इसके अलावा उन्होंने अपने संगठन के साथियों के सहयोग से जरूरतमंदों के बीच राशन,

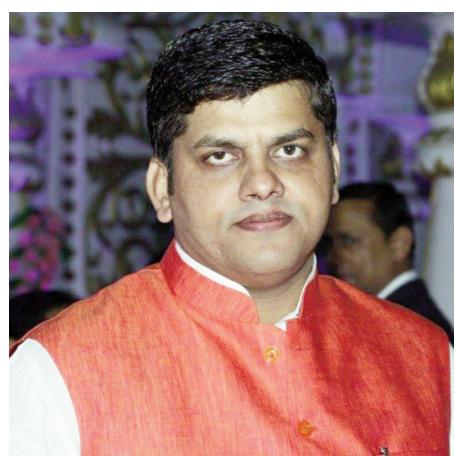


मास्क एवं साबुन का वितरण भी करवाया साथ ही दिल्ली, पुणे एवं गुडगाँव में फँसे बिहारी मजदूरों की समस्या को अपनी सूझ बूझ से समाधान कराया।

इससे पूर्व जब भी झंझारपुर में बाँध टूटने से पीड़ित एवं बाढ़ ग्रस्त इलाके के लोगों की मदद के लिए हाथ बटाना हो या पटना में जलजमाव से परेशान लोगों के बीच राहत मुहैया कराना है यह युवा चेहरा सदैव

आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ा नजर आया है। संगठन स्तर पर दिए गए विभिन्न मुद्दों पर इनके सारांर्थित एवं संतुलित विचारों से इन्होंने हर बार संगठन की विचारधारा को प्रत्यक्ष किया है साथ ही समस्याओं पर टिप्पणी करने के बजाय समाधान केंद्रित बयान दिए हैं।

अपने संवेदनशील एवं सहज स्वभाव, ओजस्वी एवं गम्भीर व्यक्तित्व के कारण आज जद यू की राजनीति में पार्टी के शीर्ष नेताओं सहित संगठन में इनका स्थान महत्वपूर्ण हो गया है साथ ही संगठन के कार्य में इनकी दिलचस्पी के कारण इन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक अपनी छाप छोड़ी है एवं इनका मानना है कि जनसेवा करने के लिए विधायक-सांसद होना आवश्यक नहीं है बल्कि मजबूत इच्छा-शक्ति होना आवश्यक है और मैं इसी इच्छा शक्ति के बदौलत अपने इलाके के लोगों की सेवा के लिए समर्पित हूँ।



पटना वाले गुरु डॉक्टर एम रहमान पर सुनील शेष्टी बना रहे हैं हिन्दी फ़िल्म

अनूप नारायण सिंह

बिहार की राजधानी पटना के नया टोला गोपाल मार्केट में सिविल सर्विसेज की कोचिंग क्लास चलाने वाले डा एम रहमान की कहानी जल्द ही सिनेमा के पर्दे पर दिखाई देगी। गरीब बच्चों के सपने को पंख देने वाले रहमान पर अभिनेता सुनील शेष्टी की प्रोडक्शन हाउस फ़िल्म बना रही है। इस साल के अंत तक यह फ़िल्म रिलीज होगी। आईएएस के इंटरव्यू में दो बार फेल होने के बाद डॉ. रहमान ने कोचिंग खोला और अब तक हजारों छात्रों को अफसर बना चुके हैं। खास बात यह है कि वे गरीबों से फीस के नाम पर सिर्फ़ एक रुपए लेते हैं। रहमान बताते हैं कि मैंने अपनी जिंदगी में गरीबी देखी है। मैंने प्रण लिया था पढ़ाई के रास्ते में किसी छात्र के लिए गरीबी को रोड़ा नहीं बनने दूंगा। कोचिंग में जो बच्चे पढ़ते हैं उससे इतर 27 ऐसे बच्चों को अपने साथ रखता हूं जो बेहद गरीब हैं और उनका कोई खाल रहने वाला नहीं है। उनके पालन-पोषण से लेकर पढ़ाई और सभी तरह की जिम्मेदारियां उठाता हूं। कोचिंग में पढ़ने वाले कई बच्चे मेरी किसी से जिम्मेदारियों को दैखते हुए एक-दो हजार या पांच हजार रुपए फीस के तौर पर दे देते हैं। 22 साल हो गए, कभी किसी से फीस नहीं मांगी। जो बच्चे सफल होकर निकले और आज ऊंचे पदों पर बैठे हैं, वे अर्थिक तौर पर मदद करना चाहते हैं। मेरा एक सपना है कि भविष्य में गुरुकुल संस्था खोलूं जहां गरीब और असहाय बच्चों को मुफ्त शिक्षा के साथ उनका पालन-पोषण भी हो। गुरुकुल में वैसे बच्चे रहेंगे जिनका इस दुनिया में कोई सहारा नहीं है। कोचिंग से निकले बच्चों से जब बात होती है तब कहता हूं आप सब मेरे इस सपने को साकार करने में मदद



करना। रहमान बताते हैं कि 1997 में यूपीएससी में दूसरी बार इंटरव्यू में असफल होने के बाद मैंने रहमान एम के नाम से कोचिंग की शुरूआत की। तब 10-12 बच्चे ही क्लास में थे। 1998 में एक लड़के का चयन यूपीएससी में हुआ। यह लोगों के बीच फैल गया कि एक सर बिना फीस के आईएएस की तैयारी करते हैं। इसके बाद हांग-गांव से लोग पढ़ने आने लगे। 22 साल में 40 से ज्यादा बच्चे यूपीएससी में सलेक्ट हो चुके हैं। बीपीएससी में चार सौ से ज्यादा बच्चे सफल हो चुके हैं। चार हजार से ज्यादा बच्चे इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर हैं। 2007-08 बैच की एक छात्रा पिंकी गुप्ता अभी प्रधानमंत्री सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में कार्यरत है।

बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने के साथ रहमान हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए भी काम करते हैं। रहमान बताते हैं कि 1994 में दिल्ली से एमए कर रहा था। इसी

दौरान ब्राह्मण परिवार की एक लड़की अभिना कुमारी से प्यार हुआ। समाज हमारी शादी के खिलाफ़ था। इसके बावजूद हमने 1997 में पटना के बिरला मंदिर में शादी की। इस वजह से अब तक 13 फतवे जारी हो चुके हैं। रहमान ने बताया कि दस साल तक हमें किराये पर कोई घर नहीं मिला। पति-पत्नी होकर भी हमें अलग-अलग रहना पड़ा। 2007 में मित्र की मदद से मुझे किराये पर मिला तब हम दोनों साथ रहने लगे। 2008 में एक बेटी हुई, जिसका नाम अदम्या है। 2012 में बेटा हुआ उसका नाम अभिज्ञान है। इसके बाद कोचिंग सेंटर का नाम रहमान एम क्लासेज से बदलकर अदम्या अदीति गुरुकुल कर दिया। उनके इस अभियान में नवादा निवासी और उनके संस्थान के व्यवस्थापक शिक्षाविद मुन्ना जी उनकी छाया की तरह 1994 से उनके साथ है।



एसके सिंघल बने बिहार के नए पुलिस महानिदेशक

बिहार कैडर के सीनियर आईपीएस अधिकारी संजीव कुमार सिंघल को बिहार का नया पुलिस महानिदेशक डीजीपी नियुक्त किया गया है। सीनियर आईपीएस अधिकारी संजीव कुमार सिंघल को बिहार का नया पुलिस महानिदेशक डीजीपी नियुक्त किया गया है। साल 1988 बैच के आईपीएस एसके सिंघल फिलहाल बिहार होम गार्ड के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। बिहार होम गार्ड्स एंड फायर सर्विसेज के डीजी.कम.कमांडेंट संजीव कुमार सिंघल का तबादला हो गया है। बिहार के डीजीपी की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे एसके सिंघल को स्थायी रूप से यहां का डीजीपी बना दिया गया है। बिहार सरकार की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। बिहार सरकार के गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक बिहार होम गार्ड्स एंड फायर सर्विसेज के डीजी.कम.कमांडेंट की जिम्मेदारी को संभाल रहे 1988 बैच के आईपीएस अफसर संजीव कुमार सिंघल का तबादला कर दिया गया है। अब उन्हें पूर्ण रूप से यानी



कि स्थायी डीजीपी बना दिया गया है। एसके सिंघल अब तक बिहार के डीजीपी के अतिरिक्त प्रभार में काम कर रहे थे।

आपको बता दें कि बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति वीआरएस के बाद 1988 के आईपीएस अफसर एसके सिंघल को डीजीपी का प्रभार सौंपा गया था। इसके बाद बिहार के डीजी रैंक के अफसरों का नाम सरकार ने पैनल संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी को भेजा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुप्तेश्वर पाण्डेय के वीआरएस लेने के बाद उनका पद संभाल रहे एसके सिंघल 1996 में तब सुर्खियों में आए थे, जब उन पर सीवान में डॉन राजनेता शहाबुद्दीन ने हमला किया था। उस दौरान आईपीएस संजीव कुमार सिंघल सेवान में पुलिस अधीक्षक यानी कि एसपी के रूप में पर तैनात थें तकरीबन 13 साल पहले वर्ष 2007 में एक विशेष अदालत ने शहाबुद्दीन को आईपीएस संजीव कुमार सिंघल पर हमले के मामले में 10 साल की सजा सुनाई थी।

छह अधिकारियों को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति की अधिसूचना जारी

बिहार के राज्यपाल के एडीसी राकेश दुबे सहित बिहार पुलिस सेवा के छह अधिकारियों को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति की अधिसूचना जारी कर दी गई। राकेश दुबे सहित जिन अधिकारियों को आज आईपीएस में प्रोन्नति मिली है उनमें पटना नगर निगम की अपर नगर आयुक्त और चर्चित अधिकारी शीला ईरानी, बलिराम चौधरी, चंदशेखर विद्यार्थी, हरिमोहन शुक्ला और संजय भारती शामिल हैं। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना में दो अन्य अधिकारियों विश्वजीत दयाल और विजय कुमार का नाम भी शामिल है लेकिन विश्वजीत दयाल पर जहां उनके खिलाफ चल रहे एक आपाराधिक मामला और विजय कुमार के खिलाफ एक विभागीय मामले के लंबित होने के कारण उन्हें प्रोन्नति का लाभ तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि उन्हें दोष मुक्त न करार दिया जाए। आपको बता दें कि राकेश दुबे बिहार के चर्चित अधिकारी रहे हैं। सीबीआई से अपनी पुलिस सर्विस शुरू करने वाले राकेश दुबे पटना के टाउन डीएसपी के रूप में अपनी



विशिष्ट पहचान बनाई थी। उसके बाद फुलवारीशरीफ डीएसपी के रूप में भी उल्लेखनीय कार्य किया।

दरअसल 2015 में राकेश दुबे को बिहार सरकार ने राजभवन में एडीसी के पद पर तैनात किया था तब बिहार के राजपाल थे केसरीनाथ त्रिपाठी इसी दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से नीतीश कुमार

ने अपनी पार्टी का समर्थन वापस लिया था और मांझी को हटाकर खुद मुख्यमंत्री बने थे इसके बाद 2015 के विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार महागठबंधन के साथ चुनाव लड़े थे और फिर दोबारा मुख्यमंत्री बने थे। फिर 2020 में जब नीतीश कुमार सातवी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे तब भी राज्यपाल के एडीसी के रूप में राकेश दुबे ही थे। राकेश दुबे के बारे में तत्कालीन राज्यपाल और वर्तमान में देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा था .राकेश दुबे मेरे लिए लकी है। वैसे भी रामनाथ कोविंद के बाद बिहार के राज्यपाल बने सत्यपाल मल्लिक ने राज्य सरकार से राकेश दुबे की डिमांड कर दुबारा पोस्टिंग कराई थी। सत्यपाल मल्लिक के बाद राज्यपाल बने लालजी टंडन ने भी राकेश दुबे को हो अपना एडीसी रखा। वर्तमान राज्यपाल फागु सिंह चौहान ने भी इसी अधिकारी को अपने साथ रखा। हरिमोहन शुक्ला और बलिराम चौधरी भी पटना में तैनात रह चुके हैं।

(साभार अमिताभ ओझा)

एएमयू के शताब्दी समायोह में बोले पीएम - इस्लामिक और भारतीय संस्कृति का संगम है विश्वविद्यालय

अलीगढ़। देश की अग्रणी शिक्षण संस्थान में शामिल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने भी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने एक विशेष डाक टिकट का भी आँनलाइन विमोचन किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को इस्लामिक और भारतीय संस्कृति का केंद्र बताया। 1964 के बाद यूनिवर्सिटी में यूनिवर्सिटी के किसी कार्यक्रम में पीएम का भाषण आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर को खास बनाते हुए पीएम ने कहा कि बीते 100 वर्षों में एएमयू ने दुनिया के कई देशों से भारत के संबंधों को सशक्त करने का भी काम किया है। उर्दू, अरबी और फारसी भाषा पर यहांजो रिसर्च होती है, इस्लामिक साहित्य पर जो रिसर्च होती है, वो समूचे इस्लामिक वर्ल्ड के साथ भारत के सांस्कृतिक रिश्तों को नई ऊर्जा देती है। यहां एक तरफ उर्दू पढ़ाई जाती है, तो हिंदी भी। अरबी पढ़ाई जाती है तो संस्कृति की शिक्षा भी दी जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि आज एएमयू से तालीम लेकर निकले लोग भारत के सर्वश्रेष्ठ स्थानों के साथ ही दुनिया के सैकड़ों देशों में छाए हैं। एएमयू के पढ़े लोग दुनिया



में कहीं भी हों, भारत की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि लोग बोलते हैं कि एएमयू कैंपस अपने आप में एक शहर की तरह है। अनेक विभाग, दर्जनों हॉस्टल, हजारों टीचर-छात्रों के बीच एक मिनी इंडिया नजर आता है। अटव के कैंपस में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के लिए काम करना है। अभी लगभग 1000 विदेशी छात्र अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। इसलिए हमारे जिम्मेदारी है कि वो यहां से अच्छी यादें लेकर जाएं इसलिए आपके संस्थान पर दोहरी जिम्मेदारी है। अपना सम्मान बढ़ाने की ओर

अपनी जिम्मेदारे बख्बरी निभाने की। उन्होंने कहा कि समाज में वैचारिक मतभेद होते हैं, लेकिन जब बात राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति की हो, तो हर मतभेद किनारे रख देने चाहिए। जब आप सभी युवा साथी इस सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो ऐसी कोई मंजिल नहीं, जो हम हासिल न कर सकें। इस दौरान पीएम मोदी ने मुस्लिम बच्चियों के स्कूल से ड्रॉप आउट करने पर बात करते हुए कहा कि पहले 70 फीसदी स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती थी, आज यह आंकड़ा घटकर 30 फीसदी तक पहुंच गया है। हमारी सरकार ने हर स्कूल में शौचालय निर्माण को सुनिश्चित किया है, जिससे बच्चियों की स्कूल में संख्या बढ़ी है। साथ ही उनके लिए कई योजनाएं चलाई गई हैं।

1964 के बाद बाद पहली बार

यह विडंबना है कि अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में 56 साल बाद किसी प्रधानमंत्री को शिरकत करने का मौका मिला है। हालांकि कुछ संगठनों ने पीएम के शिरकत का विरोध किया था। इससे पहले 1964 में तत्कालीन पीएम लाल बहादुर शास्त्री यहां हुए कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

नहीं रहीं राजनीतिक समर की मृदुला

अदरणीय मृदुला सिन्हा जी का जन्म श्रीमती अनुपा देवी व श्री बाबू छविले सिंह जी के यहाँ 27 अप्रैल 1942 को हिन्दू पंचांग के अनुसार राम विवाह के दिन मुजफ्फरपुर के जिला के छपरा गाँव में हुआ था, मनोविज्ञान में एमडब्लू करने के बाद उन्होंने ब्रॉडेड किया और मुजफ्फरपुर के एक कॉलेज में प्रवक्ता बन गयी, इस दौरान मोतिहारी के एक स्कूल में कुछ दिन प्रिंसिपल भी रही, लेकिन साहित्य से लगाव ने उन्हे खुद से स्वतंत्र कर दिया, और उन्होंने नौकरी अलविदा कह अपने आप को सहित्य की सेवा में अपना पूरा जीवन सदा के लिये समर्पित कर दी, उनके पति डॉ रामकृष्णपाल सिंह जो सादी के समय किसी कॉलेज के अग्रेजी के प्रवक्ता थे, बाद में जब उनके पति रामकृष्णपाल सिंह जी बिहार सरकार में मंत्री बन गये तब श्रीमती मृदुला सिन्हा जी सहित्य के साथ साथ राजनीति में भी अपना सेवा शुरू कर दी, उस बक्त जो दौर शुरू था आज इनके देहावसान के साथ सिलसिला समाप्त हो गया।

श्रीमती मृदुला सिन्हा जी कहती थी, साहित्यकार मकड़ा नहीं हो सकता है, जो अपने अंदर से कुछ बाहर निकालकर जाले की तरह कथा को बुने, उसे मधुमक्खी बनाना पड़ता है। एक ऐसी मधुमक्खी, जो समाज की विभिन्न क्यारियों से पराग का संचय करके शहद बनाती है, जिससे समाज पुष्ट होता है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार समाज की अच्छी चीजों को अपनी रचना में एक साथ पिरोता है। इस नजरिये से देखें तो पत्रकार से कवि व उपन्यासकार बने सत्य प्रकाश असीम ने अपनी लेखनी से समाज को बहुत कुछ दिया है।

ये उद्घार गोवा की राज्यपाल एवं जानीमानी साहित्यकार श्रीमती मृदुला सिन्हा जी के सहित्यिक समर की यादगार लम्हे थे, आज जिन्दगी को अलविदा कह सहित्य के समर में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित कर सदा के हम लोगों को छोर कर चले गये। आप की कमी हमेशा खलेगी, अपने को बहुत ज्यादा और दूसरों को कुछ कम...।



सारण की राजनीति में साल का सबसे चर्चित चेहरा बनकर उभरे राणा प्रताप सिंह उर्फ डबलू सिंह

अनूप नारायण सिंह

सारण प्रमंडल की राजनीति में वर्ष 2020 में माझी विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव में दलीय प्रत्याशियों को पछाड़ते हुए दूसरे पायदान पर पहुंचने वाले युवा तुर्क के नेता राणा प्रताप सिंह उर्फ डबलू सिंह ने सबको प्रभावित किया। भाजपा के एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत करने वाले राणा प्रताप सिंह ने सर्वप्रथम 2010 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में तालुका और इन्हें ढाई हजार वोट आया, वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में भी माझी विधानसभा क्षेत्र से ताल ठोका था और 15 हजार के लगभग इन्हें वोट आया था उस विधानसभा चुनाव में एनडीए की तरफ से लोजपा ने केशव सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था जबकि महागठबंधन की तरफ से कांग्रेस के विजय शंकर दुबे उम्मीदवार थे कांटे की टक्कर में विजय शंकर दुबे यहां से चुनाव जीतने में सफल हुए थे पर सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले उम्मीदवार के रूप में तीसरे पायदान पर रहने वाले राणा प्रताप सिंह ही थे। 2020 के चुनाव से पहले यह भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में माझी विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय थे पार्टी ने भी इन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी थी भाजपा से इनका टिकट फाइनल था स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह सिंग्रीवाल के काफी करीबी थे पर जोड़-तोड़ गठजोड़ के खेल में अंतिम समय में यह सीट जदयू के खाते में चली गई और जदयू ने यहां से माधवी सिंह को उम्मीदवार बना दिया।

बावजूद इसके पूरे दमखम के साथ राणा प्रताप सिंह मैदान में ढटे रहे और जिसका परिणाम हुआ कि जदयू प्रत्याशी इनसे काफी पीछे रह गए 40,000 के लगभग वोट लाकर दूसरे पायदान पर रहे। यहां से माले प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल हुए राणा प्रताप सिंह विंगत 15 वर्षों से माझी विधानसभा क्षेत्र में एक समाजसेवी के रूप में सक्रिय हैं इनको मिले वोट इनकी मेहनत और क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों के बीच इनकी लोकप्रियता को दर्शाता है राणा प्रताप सिंह कहते हैं कि बिना किसी राजनीतिक विरासत के राजनीति में आए क्षेत्र के लोगों का प्यार दुलार स्नेह उहें हमेशा मिलते आया है दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ दोनों बार जिस दल से टिकट चाहते थे उहें धोखा मिला जिन लोगों के लिए वे दिन रात लगे रहे उन लोगों ने भी अंतिम समय में मुंह मोड़ लिया बावजूद इसके क्षेत्र की जनता ने इनके प्रति विश्वास जताया और एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में माझी के लोगों ने इन्हें जो प्यार दिया उसके यह कर्जदार है राजनीतिक समीक्षक मानते हैं कि सारण प्रमंडल में सभी निर्दलीय प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट लाकर राणा प्रताप सिंह ने आने वाले भविष्य के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है।



चिकित्सक के साथ ही सानाजिक अग्रदृत भी है बिहार : डॉ राणा एकपी सिंह

अनूप नारायण सिंह

सच ही कहा गया है कि इंसान अगर दिल में यह ठान ले तो उसे अपनी मजिल को प्राप्त करना है तो रास्ते के काटे भी उसे फूल नजर आने लगते हैं आज हम बात कर रहे हैं ऐसे इंसान की जिसने अपने लगन और कठिन परिश्रम के बल पर खुद को चिकित्सा क्षेत्र में स्थापित ही नहीं किया बल्कि एक अलग मिसाल कायथ की है राणा एसपी सिंह की कामयाबी की डगर इतनी आसान नहीं रही और उन्हें इसके लिये अथक परिश्रम का सामना करना पड़ा। डा राणा संजय आज के

दौर में न सिर्फ चिकित्सा जगत में छा गये हैं बल्कि

सामाजिक क्षेत्र में शिक्षित पर भी सूरज की तरह चमके रहे हैं। उनकी ज़िन्दगी संघर्ष, चुनौतियों और कामयाबी का एक ऐसा सफरनामा है, जो अद्यता साहस का इतिहास बयान करता है। डा राणा संजय ने अपने करियर के दौरान कई चुनौतियों का सामना किया और हर मोर्चे पर कामयाबी का परचम लहराया। बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ थाना के मछागर गांव में पले बढ़े डा राणा संजय के पिता रामधान सिंह पुलिस ऑफिसर थे। राणा संजय के माता-पिता उन्हें उच्चाधिकारी बनाने का खबाब देखा करते। इसी को देखते हुये परिवार के लोगों ने राणा संजय को महज पांच साल की उम्र में बेहतर शिक्षा के लिये राजधानी पटना भेज दिया जहां वह होस्टल में रहकर पढ़ाई किया करते। राणा संजय की रुचि बचपन के दिनों से ही कला और संगीत के क्षेत्र में थी। वह अवसर स्कूल और कॉलेज में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया करते। इसी दौरान जब वह चौथी कक्षा में थे तो उन्हें स्कूल में होने वाले एक नाटक में डॉक्टर का किरदार निभाने का अवसर मिला। डा राणा संजय ने निश्चय किया कि वह बतारै चिकित्सक अपना करियर बनायेंगे। वर्ष 1994 में इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद डा राणा संजय ने एम्बीबीएस में नामांकन की तैयारी शुरू की और पहली बार ही वह वह सेलेक्ट कर लिये गये। वर्ष 1996 में राणा संजय की शादी रीता सिंह से हुयी जो उनकी जिंदगी में नया मोड़ लेकर आयी। राणा संजय ने एम्बीबीएस में दाखिला लिया और उन्होंने वर्ष 2001 में इसकी पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने निजी किलनीक की शुरूआत की। राणा संजय चिकित्सा के क्षेत्र में और अधिक पढ़ाई करना चाहते थे और इसी को देखते हुये उन्होंने एमडी की तीन वर्षीय पढ़ाई पूरी की। राणा संजय सामाजिक सरोकार से भी जुड़े व्यक्ति हैं और इस क्षेत्र में भी काम करना चाहते थे। इसी को देखते हुये उन्होंने वर्ष 2001 से निशुल्क हेल्थ कैंप लगाने की शुरूआत की। राणा संजय ने पटना, बैरागी, औरंगाबाद, गोपालगंज, सारण और पूर्वी चंपारण समेत कई जिलों में निशुल्क हेल्थ कैंप लगाकर मरीजों का इलाज



किया। राणा संजय के मरीजों के मसीहा माने जाते हैं और उन्होंने बृद्ध लोगों की निशुल्क चिकित्सा की ओर आज भी कर रहे हैं। राणा संजय ने छात्रों को हमेशा फीस में रियायत दी है। राणा संजय ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी काम किया है। वह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की थीम

पर कई राष्ट्रीय चैनल पर अपनी आवाज उठाते रहे हैं। वर्ष 2009 डा राणा संजय के करियर के लिये अहम वर्ष साबित हुआ। राणा संजय की बायोग्राफी को बीएसडीबी के 10 वीं के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। दिलचस्प बात यह है कि राणा संजय उन सात अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोगों में शामिल रहे जिन्हें बीएसडीबी ने शामिल किया गया था। इनमें कलम के जादूगर मुंशी प्रेमचंद्र समेत अन्य शामिल थे। राणा संजय ने विज्ञान पर आधारित एक किताब भी लिखी है। राणा संजय वर्ष 1992 से ही राजनीति से जुड़ गये थे। तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री श्री बृज किशोर नारायण से उन्होंने राजनीति के गुर सीखे और कम उम्र में ही चुनाव में अपने बेहतरीन मैनेजमेंट का परिचय दिया। राणा संजय ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुहिम छेड़ते हुये अन्ना हजारे के आंदोलन में भी हिस्सा लिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को अपनी प्रेरणा मानने वाले राणा संजय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े और बाद में पदमश्री सी पी ठाकुर के कहने पर वर्ष 2006 में भारतीय जनता पार्टी से भी जुड़कर काम करने लगे। राणा संजय का मानना है कि युवाओं में ऊर्जा का भंडार होता है उनके अंदर इच्छाशक्ति होती है। युवाओं को राजनीति में भी भाग्य आजमाना चाहिए। युवाओं में उतनी क्षमता होती है कि वह दूषित राजनीति को शुद्ध कर सके। युवाओं को मिल कर कार्य करना होगा। देश की तरकीके लिए युवाओं का सकारात्मक ढंग से कार्य करना जरूरी है। युवा चाहे तो देश की तकदीर बदल सकता है। युवाओं को भ्रष्टाचार, नशाखोरी एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ाइ

लड़नी चाहिए। राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। युवाओं को भी आगे बढ़ कर राजनीति में

आते हुए देश व समाज के विकास में कार्य करना चाहिए। वर्ष 2014 में राणा संजय की कर्मठता को देखते हुये भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 में उन्हें भाजपा मेडिकल मेडिया सेल का कोषाध्यक्ष बनाया। डा राणा संजय को भाजपा सोशल मीडिया (राष्ट्रीय) का प्रभारी भी बनाया गया। अपने मित्र और जाने माने चिकित्सक रमित गुंजन के आग्रह पर उन्होंने रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कई कैंप और सेमिनार में निशुल्क मरीजों का इलाज किया। वर्ष 2016 में डा अमूल्य सिंह के कहने पर डा राणा संजय सिंह सामाजिक संस्था लायंस क्लब से जुड़ गये।

वर्ष 2016 में राणा संजय को बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय चौधरी ने बेस्ट परफर्मिंग डाक्टर के सम्मान से नवाजा। राणा संजय अपने अबतक के करियर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित साह, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा, लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, भाजपा के दिग्गज नेता नंद किशोर यादव और रामकृपाल यादव समेत कई लोगों के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। राणा संजय ने कई राष्ट्रीय मेडिकल सेमिनार में बिहार का प्रतिनिधित्व किया है। राणा संजय को स्वास्थ्य संबंधी कई टीवी चैनलों पर एक्सपर्ट के तौर पर आमत्रित किया जा चुका है। राणा संजय अपनी विलनीक के साथ ही कई नामचीन चिकित्सकों की विलनीक में बताए फिजिशियन जुड़कर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राणा संजय को संगीत से गहरा लगाव रहा है और खाली समय में किशोर कुमार के गाये गानों को सुनना पसंद करते हैं। राणा संजय को गिटार बजाने का भी शौक है। राणा संजय के पुत्र राणा प्रेमशंकर पैलौंड में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं जबकि बेटी भी एमबीबीएस की तैयारी कर रही है। डा राणा संजय अपने पिता को रोल मॉडल मानते हैं और उनका कहना है कि आज वह जो कुछ बन पाये हैं अपने पिता की बौद्धितता हैं। डा राणा संजय सिंह अपनी सफलता का प्रेरणा संगीनी रीता सिंह भी देते हैं। राणा संजय का कहना है कि आज वे जो कुछ हैं उसमें पती की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 2001 से अब तक राणा संजय लायंस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर रहे हैं एक तरफ जहां बिहार में स्वास्थ्य शिविर भी बाजारवाद की चपेट में हैं और लोग राजस्ट्रेशन के नाम पर मरीजों का अधिकार दोहन करते हैं वहाँ डॉ राणा संजय निस्वार्थ भाव से बिहार के सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं उनकी पती रीता सिंह पुरु डा राणा प्रेम शंकर पत्री मुस्कान और खुशी का काफी अहम योगदान होता है। बिहार में बिहार झारखंड में 132 लायंस क्लब 332ए के हेल्थ हाइजेनिक के चेयरपर्सन भी यह हैं। हुमन राइट्स बिहार के यह सलाहकार के साथ ही साथ भाजपा चिकित्सा से सेल में सेकंड पर्सन के रूप में हैं। लायंस पाटिलपुत्र आस्था के पूर्व अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने इनको उल्लेखनीय योगदान के लिए हाल ही में सम्मानित भी किया है। निरमित रूप से स्वयं रक्तदान कर यह सामाजिक जागरूकता भी फैलाते रहते हैं।

अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में किरण सिंह एवं अजय कुमार परीक्षान उप समाहर्ता के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका 21 फरवरी 1991 में अपने अस्तित्व में आया था. उस समय से और अब तक बांका इकलौता अनुमंडल के रूप में भी जाना जाता है .जिसका क्षेत्र विस्तृत है. बांका अनुमंडलीय क्षेत्र में 11 प्रखंड एवं 11 अंचल कार्यालय स्थापित है. प्रखंडों एवं अंचलों एवं पंचायतों में सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी एवं जन समस्याओं के निवारण हेतु अनुमंडलों मैं लोक शिकायत निवारण विभाग एवं इससे संबंधित विशेष पदाधिकारी स्थापित किए गए हैं जिनके अधिकारी अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में जाना जाता है , इस विभाग के स्थापना से आम लोगों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े, किसानों एवं मजदूरों को विशेष उम्मीद जगी है. ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन जमीन संबंधी मामलों में संबंधित विभागों की उदासीनता के कारण उचित न्याय नहीं मिलने से आम जनता परेशान हो जाते हैं. इसके निवारण हेतु सरकार की इस पहल से आम जनता लाभान्वित हो रहे हैं.

इसी क्रम में बांका अनुमंडल के अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में किरण कुमारी ने अपना पदभार ग्रहण किया.

चर्चित बिहार के विशेष भेटवार्ता के क्रम में उन्होंने बताया कि बांका जिले का एकलौता अनुमंडल बांका मैं अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में अपना पदभार ग्रहण करने के साथ ही मुझे बांका मैं बहुत सब ऐसे जाए मामले को निष्पादित करने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसके लिए आम जनता सुदूर देहात से आकर लोक शिकायत निवारण कार्यालय निरंतर आते थे. उन्होंने आगे बताया बांका का अनुमंडल क्षेत्र विस्तृत है. परंतु यहां के एक अनुमान तह यहां के प्रति व्यक्ति के आय का स्तर भी निम्न है. अपने कम ही



लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी किरण सिंह

प्रखंडों एवं अंचलों एवं पंचायतों में सभी
लोक कल्याणकारी योजनाओं की
निगरानी एवं जन समस्याओं के निवारण
हेतु अनुमंडलों मैं लोक शिकायत
निवारण विभाग एवं इससे संबंधित
विशेष पदाधिकारी स्थापित किए गए हैं।
जिनके अधिकारी अनुमंडल लोक
शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में
जाना जाता है , इस विभाग के स्थापना से
आम लोगों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से
जुड़े, किसानों एवं मजदूरों को विशेष
उम्मीद जगी है।

समय के कार्यकाल में अधिकांशतः मामले महिलाओं को हमें मिला है .जो किसी न किसी तरह प्रताड़ना का शिकायत हुई थी. चाहे वह अपने घर से हो या समाज से हो जमीन, संबंधी मामले, हो या घर बसेरा की बात हो, या सरकार द्वारा दी जाने वाली कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ ना मिलने का हो,

बरहाल अनुमंडल लोक निवारण पदाधिकारी के रूप में किरण सिंह का बांका में पदस्थापन होना नारी शक्ति के पर्याय का दूसरा नाम है. जहां सरकार द्वारा अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ आप लोगों को नहीं मिलने हेतु सख्त पदाधिकारी के रूप में कार्यरत हैं. वहीं दूसरी ओर समाज में उन बेसहारा एवं कमज़ोर एवं कम आमदनी वाले महिलाओं के जीविकोपार्जन हेतु स्वयं सहायता समूह, एवं अन्य तरह की महत्वाकांक्षी योजनाओं का शुभारंभ एवं उसे लागू करने हेतु विशेष पहल के रूप में क्रियाशील हैं।

देखना यह है कि लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में किरण सिंह का बांका जिले में भागीदारी कितना प्रभावशाली सिद्ध होगा.

वही अजय कुमार ने प्रशिक्षु उप समाहर्ता के रूप में अपना योगदान बांका में 11 सितंबर 2020 को किया.अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के अधीनस्थ बतौर परीक्षण उप समाहर्ता के रूप में कार्यरत हूं. चर्चित बिहार के एक भेटवार्ता के क्रम में उन्होंने बताया कि बांका में मेरी यह पहली पोस्टिंग है 2018 के बीपीएससी एज्जाम में टॉपर रहे 13वें रैंक को प्राप्त कर बांका में बतौर परीक्षणान उप समाहर्ता के रूप में पदस्थापित हुए.उन्होंने आगे बताया कि किरण मैमेके सानिध्य में मैं कार्य कर रहा हूं.कई मायने में बांका जिला, हमें संभावनाओं का जिला महसूस हुआ. अभी तो मैं नया हूं और विशेष जिले के सभी कार्यपाली क्षेत्र एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं के धरातल पर आने की जानकारी को प्राप्त कर, आगे साझा करूंगा।



अजय कुमार परीक्षान उप समाहर्ता

बांका जिले में बढ़ेगा मतदान केंद्रों की संख्या

1 जनवरी 2021 को 18 वर्ष पूरा करने पर हो जाएंगे वोटर



सभा की अध्यक्षता कर रहे उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधि

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

1 जनवरी 2021 तक 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले सभी निवासीं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा 16 सितंबर से 11 जनवरी तक निर्वाचन से फॉर्म 788 ए में दावा आपत्ति प्राप्त किया जाएगा इस अवधि में कोई भी इच्छुक निर्वाचन मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 मतदाता सूची का प्रविष्टि में नाम पता फोटो आदि संशोधन के लिए फॉर्म 8 तथा एक ही विधानसभा क्षेत्र के लिए एक मतदान केंद्र के दूसरे मतदान केंद्र में नाम स्थानांतरण के लिए फॉर्म कब भरा जा सकता है दावा आपत्ति का निष्पादन 1 फरवरी तक कर दिया जाएगा 27 सितंबर व 10 जनवरी को विशेष अधियान दिवस चलाकर बूथ पर आवेदन लिया जाएगा।

अवसर था बांका मिनी सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी डीएम सुहर्ष भगत ने उप निर्वाचन पदाधिकारी की उपस्थिति में बुधवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की इसमें 1 जनवरी की हड्डताल की थी के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम पर चर्चा हुई निर्वाचन आयोग ने इसका पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है। बांका जिले के सभी पांच पांच विधानसभा क्षेत्रों में 50 मतदान केंद्र पर 1400 से अधिक मतदाता हैं।

अवसर था बांका मिनी सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी डीएम सुहर्ष भगत ने उप निर्वाचन पदाधिकारी की उपस्थिति में बुधवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की इसमें 1 जनवरी की हड्डताल की थी के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम पर चर्चा हुई निर्वाचन आयोग ने इसका पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है। बांका जिले के सभी पांच पांच विधानसभा क्षेत्रों में 50 मतदान केंद्र पर 1400 से अधिक मतदाता हैं।

1 जनवरी की हड्डताल की थी के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम पर चर्चा हुई निर्वाचन आयोग ने इसका पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है। बांका जिले के सभी पांच पांच विधानसभा

क्षेत्रों में 50 मतदान केंद्र पर 1400 से अधिक मतदाता हैं। इस प्रकार 159- अमरपुर, विधानसभा में 10,160- धोरेया विधानसभा में 12,161- बांका विधानसभा में 10,162- कटोरिया विधानसभा में 13,163- बेलहर विधानसभा क्षेत्र में 5 नए मतदान केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। इससे मतदान केंद्रों की संख्या 1491 से बढ़कर 1541 हो जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रतिनिधियों से बांका जिला के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध किया अभी तक केवल भारतीय जनता पार्टी ने 1118, राष्ट्रीय जनता दल ने 1448 मतदान केंद्रों पर एवं जनता दल यू.ने 936 मतदान केंद्र पर बीएलओ की जानकारी दी है जिला में 3663 बीएलओ की नियुक्ति हुई है बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार, भाजपा के जिला अध्यक्ष विकास कुमार सिंह, जनता दल यू.के निर्जन कुमार सिंह, सचिव राधवेंद्र कुमार सिंह लोजपा के निपिन कुमार सिंह, माकपा के जमील अहमद, सीपीआई के मुन्नी लाल पासवान, जनता पार्टी के विकास ठाकुर उपस्थित थे।

भद्रिया में चांदन नदी में मिले भगवान बुद्ध के 26 सौ वर्ष पुराना अवशेष

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वयं भद्रिया पहुंचकर इन अवशेषों का किया अवलोकन



प्राप्त अवशेषों का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य।

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)



बांका जिले के अमरपुर प्रखंड के बद्रिया गांव के समीप चांदन नदी में मिले हैं पुरातात्त्विक अवशेष . विशेषज्ञों की माने तो यह भगवान बुद्ध कालीन अवशेष माना जा सकता है जो कि 2600वर्ष पुराना है। छठ पूजा के दिन नदी में छठ घाट बनाते वक्त ही युवाओं को भद्रिया में भवन का अवशेष दिखा। गांव के पुराने साहित्यकार परमानंद प्रेमी और उनके पुत्र आलोक प्रेमी के माध्यम से यह मंदर विकास परिषद से जुड़े इतिहासकार उद्देश्य रवि तक पहुंची। उन्होंने पत्र बनाकर जानकारी जिलाधिकारी सुहर्ष भगत

को दी । डी एम सुहर्ष भगत ने इस पर संज्ञान लेकर इसकी जांच शुरू कराई । तथा राज्य स्तर पर इसकी जानकारी जानकारी दी। इस बीच विधायक जयंत राज भी सक्रिय हुए उन्होंने भी मुख्यमंत्री से बात कर इसकी जानकारी दी। तथा भद्रिया गांव आने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस पर विशेष दिलचस्पी रखते हुए 12 दिसंबर शनिवार को अपने पूरे प्रशासनिक महकामे और पुरातात्त्विक दल के साथ बद्रिया के उस चांदन नदियां स्थल पर पहुंचे। जहां पुरातात्त्विक अवशेष मिले हैं। भद्रिया गांव के पूरब चानन नदी की धारा के बीच के हिस्से में कई जगह पर बुद्ध कालीन या इससे पहले का निर्माण मिल रहा है। इससे साफ है कि यह बुद्ध काल के समय उस जगह पर कोई समृद्ध और बड़ा नगर था। साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन ने अपनी पुस्तक वृद्धि चर्चा में भी इस जगह

का वर्णन किया है। महाबोधि सभा सारानाथ वाराणसी से प्रकाशित इस पुस्तक में सॉक्रियाएं ने पृष्ठ 114 में लिखा है कि अंग प्रदेश के भद्रिया गांव में बुध की शिष्या विशाखा का जन्म हुआ है। यह श्रेष्ठ मेण्डक के पुत्र धनंजय की पुत्री थी। इसमें जिक्र है कि उसके आगमन पर विशाखा ने 500 कन्याएं और दासी के साथ भगवान बुद्ध का स्वागत किया था। भद्रिया गांव कालक्रम में भद्रिया बन गया। तथा मेण्डक का नगर कभी बाढ़ की भेंट चढ़ गया हो? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भ्रमण के बाद बताया कि खुदाई में मिला अवशेष बुद्ध काल का ही है। सारी कहानी धरती के पवित्र होने की ओर इशारा कर रहा है। इसका उत्थनन कराकर सारी जानकारी जुटाई जाएगी। पुरातात्त्विक महत्ता को देखते हुए, यह बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में सामने आ सकता है, उन्होंने कहा यह धरती नमन करने योग्य



संग्रहि मृद गोड का मुआयना करते मुख्यमंत्री व जल संसाधन मंत्री व अन्य।

है, वह बिहार की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ा केंद्र बन सकता है. पुरातात्विक विशेषज्ञ की टीम इस नगर की कहानी का पूरा इतिहास पता लगाएगी.

नदी के निरीक्षण के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पुरातत्व स्थल से प्राप्त मृदभांड एवं अन्य अवशेषों का अवलोकन किया. लगभग 1 घंटा 5 मिनट तक रुके सी एम को हेलीपैड पर जिला पदाधिकारी सुहार्ष भगत ने पुष्टुच्छ देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया. जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भी भेंट किया. मौके पर पूर्व मंत्री रामनारायण मंडल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निरीक्षण से पर्यटन के क्षेत्र में अमरपुर का विकास होगा.

उन्होंने बताया कि सीएम ने कई बिंदुओं पर चर्चा की चानन डैम से गाद निकालने पर किसानों के समक्ष जटिल समस्याओं का समाधान होगा. वर्तमान चांदन नदी के धार को भी पूर्व के धरने की ओर बदलने का निर्देश दिया. बेलहर के जदयू विधायक मनोज यादव ने मुख्यमंत्री से पर्यटन और किसानों की समस्याओं से



मुख्यमंत्री को स्मृति विनायक स्मृति देकर स्वागत करते दीपा सुहर्ष भगत।



चांदन नदी में अवशेष स्थल पर जाते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य।

अवगत कराया. अमरपुर विधायक जयंत राज ने कहा किया यह आयोजन ऐतिहासिक रहा उन्होंने ही सीएम तक अवशेषों के निकालने की सूचना पहुंचाई थी. इसके बाद सीएम ने भद्रिया का कार्यक्रम तय किया. मुल्तानगंज विधायक लित नारायण मंडल ने भी शाहकुंड में बरामद महावीर बुद्ध की प्रतिमा से सीएम को अवगत कराया. विधायक ने बताया कि सीएम ने इसे गंभीरता से लिया है. इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव चंचल कुमार, खान एवं भूतत्व विभाग के प्रधान सचिव चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, भागलपुर प्रमंडलीय आयुक्त बंदना किमी सहित पुलिस विभाग के आईजी एवं वरिष्ठ पदाधिकारी, बांका जिला पदाधिकारी पुलिस कसान सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे. भाजपा के जिला अध्यक्ष विकास सिंह एवं जदयू जिला अध्यक्ष रितेश चौधरी ने अंग वस्त्र देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया.

अज्ञानता



नीति ज्ञान सिद्धांत बना
जीवन पद्धति के मूल।

अज्ञानी मानव बने शासक
हो गई जीवन ही भूल।

प्रकृति ने रचा समर को
जैसे बगिया में विविध फूल।

मनुष्य जीवन जो बन गया माली
हो गई जगत की भूल।

कहा है अहम ब्रह्मसमी
जगत का राजा मनुष्य।

होगी अब सत्ता विज्ञान की
अब धन भोजन ही मूल।

असत्य कपट लालच धूत
अत्याचार चरित्र का मुल।

मनुष्य हुआ मानुष का दुश्मन
कैसे खिले बगिया में फूल।

स्वच्छंद कीट बने शोध शास्त्र

चीनी वायरस बने विनाशक।

हुआ संपूर्ण विश्व भयाक्रांत
अज्ञान का विज्ञान बना शूल।

देखो इनकी करनी का प्रतिफल
संक्रमण मात्र से बढ़ा मृत्यु दर।

क्या होगा इस विकासका
जब मानवता ही चाटे धूल।

होगा महाभारत इस संसार में
बचेगा न यह विज्ञान न मनुष्य।

कर रुदन यह प्रकृति बोली
मिली सत्ता मनुष्य को हुई भूल।



राहुल

अमृत दस

भक्ति में शक्ति बहुत

जीवन सफल बनाएं

दर्शन कर प्रभु राम

का विष्णु लोक में जाए

आते जाते राम को शबरी मिल गए
भक्ति के बंधन में भगवान बंध गए

आत्मविह्वल होकर शबरी ने कहो

हे प्रभु कुटिया हमारी है यही

बैठकर इसमें सुशोभित
इसको कीजिए

दीन को अपनी शरण में लीजिए

देखकर शबरी ने भूखा राम को

वीर मीठा लेकर कहा प्रभु खाइए

भक्तों की भीनी सुधा सिंह भाव से



प्रेम से जी भर प्रभु ने खा लिए

प्रेम सबरी को मिला भगवान से

भक्तों के सपने सभी पूरे हुए।

डॉ मौलेश्वरी प्रसाद सिंह विद्याभूषण

खजूर रस से गुड़ तैयार करने वाला जिले का पहला प्रखंड बना कटोरिया मुक्ति निकेतन में तैयार किया जा रहा है नीरा से गुड़

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर पर अवस्थित कटोरिया प्रखंड का भूभाग प्राकृतिक संसाधनों से युक्त माना जाता है। इन क्षेत्रों के भूभाग में अधिकांशतः पेड़, पौधे बहुतायत पाए जाते हैं। या यूं कहा जाए कटोरिया बांका जिले का जंगल से युक्त क्षेत्र मनाया जाता है। इन क्षेत्रों में कई बड़े छोटे जंगल हैं। और कई दुलंभ तरह के पेड़, पौधे एवं औषधीय, पौधे भी पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में कुटीर उद्योग को विकसित करने का समुचित साधन भी उपलब्ध है। हालांकि पथरीली भूभाग और लाल मिट्टी से युक्त यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से युक्त होकर कई तरह के रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। आदिवासी बाहुल ग्रामीण क्षेत्रों में यहां की महिलाएं सखुआ के पता से थाली बनाकर बाजार में बेचते हैं। जो कि उनके आमदनी का एक साधन माना जाता है।

इसी क्रम में बांका जिले के कटोरिया प्रखंड के मुक्ति निकेतन में पहली बार खजूर रस से गुड़ निर्माण करने का एक कुटीर उद्योग विकसित किया जा रहा है। इस उद्योग को विकसित होने से ना केवल रोजगार के ही अवसर बढ़ेंगे अपितु लोगों को प्राकृतिक संसाधन से तैयार किया हुआ अमृत रस अमृत गुड़ भी प्राप्त होगा। मुक्ति निकेतन के संस्थापक अनिरुद्ध प्रसाद सिंह ने चर्चित बिहार को बताया कि हमारे क्षेत्र में खजूर का पेड़ बहुत अधिक संख्या में पाया जाता है। तकरीबन बांका जिले में खजूर का एक लाख पेड़ पाया जाता है। और जिसमें अधिक से अधिक पेड़ कटोरिया क्षेत्र में ही पाए जाते हैं। अत एव हमारे मन में एक विचार आया की, इन प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त अमृत रस से एक कुटीर उद्योग के रूप में विकसित कर इस के रस से गुड़ एवं अन्य सामग्री तैयार कर इसे जीवन उपयोगी बनाया जाए। जिससे कि इसके सदुपयोग से रोजगार के भी अवसर प्राप्त हो सके।

उन्होंने आगे बताया कि फरवरी 2020 मैंफली बार अमरपुर के सोभानपुर में इस कुटीर उद्योग को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया था। इसी प्रशिक्षण को प्रयोग में लाते हुए विगत कुछ माह पहले से कटोरिया के मुक्ति निकेतन में खजूर के रस से गुड़ निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है। मुक्ति निकेतन में प्रतिदिन 10 से 14 किलो गुड़ तैयार हो जाता है तकरीबन 10 से 15 लोग इस कार्य में संलग्न हैं। साथ ही इनके यहां कठहल का अचार, गाजर का अचार, मूली का अचार, पपीता का अचार, और ओल का अचार, भी तैयार किया जाता



खजूर रस से गुड़ तैयार करती महिला।



है। मुक्ति निकेतन में बहुतायत फल के पेड़ पाए जाते हैं। इसमें पपीता, बेल आम, बेर, जामुन, खजूर के उन्नत किस्म पाए जाते हैं। निकट भविष्य में इस फल से भी संबंधित सामग्री कनिमाण कर इसे रोजगार उन्मुख बनाया जाएगा।

8 केजी खजूर के रस से एक केजी गुड़ तैयार होता है जिसे मुक्ति निकेतन में अमृत गुड़ के नाम से बाजार में भी उपलब्ध कराया गया है। जो कि पूर्ण प्राकृतिक माना जाता है। जानकार की माने तो खजूर के नीर में गुलकोज और फ्रुटोज बहुतायत मात्रा में पाया जाता है। इस कारण यह दिव्य औषधि भी है। बंगल में खजूरउद्योग काफी विकसित है। जिससे रोजगार के भी अवसर वहां बहुत हैं। बंगल में खजूर से अन्य सामान तैयार किया जाता है। खजूर के गुड़ से दही, रसगुल्ला और अन्य स्वादिष्ट मिठाइयां को भी तैयार किया जाता है। भविष्य में इन सभी के व्यंजन को यहां भी विकसित करने का उद्देश्य है। अनिरुद्ध प्रसाद सिंह ने आगे बताया की अभी यहां गीला गुड़ भी तैयार किया जा रहा है। लेकिन बहुत जल्द यहां सूखा गुड़ भी बनना प्रारंभ हो जाएगा।

अनिरुद्ध प्रसाद सिंह
संस्थापक
मुक्ति निकेतन कटोरिया
जिला - बांका



बांका जिले में खजूर के पेड़ बहुतायत पाए जाते हैं। सबसे अधिक खजूर का पेड़ हमारे कटोरिया क्षेत्र में पाया जाता है। जिससे कि खजूर का रस नीर हमें आसानी से उपलब्ध हो जाता है। एक प्रयोग के रूप में मैंने खजूर के रस से गुड़ तैयार करने की विधि को कुटीर उद्योग के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। जिससे रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। या पूर्ण प्राकृतिक और दिव्य औषधि माना जाता है। इसे तैयार करने का सही समय नवांबर से मार्च महीना माना जाता है। अभी हमारे यहां गीला गुड़ तैयार हो रहा है। लेकिन बहुत जल्द सूखा गुड़ भी तैयार होना प्रारंभ हो जाएगा।



नई सुबह के साथ बांका नगर परिषद का स्वरूप कितना प्रभावशाली?

सभी वार्ड पार्षदों की भूमिका अहम

बांका नगर परिषद के बनने के उपरांत एवं नए अध्यक्ष के अपने पद पर आसीन होने के उपरांत बांका नगर परिषद का स्वरूप कितना प्रभावशाली होगा, है, होगा इस विषय में चर्चित बिहार ने नगर परिषद बांका के सभी वार्ड आयुक्त से विशेष साक्षात्कार कर अपने-अपने वार्डों में हो रहे विकासात्मक स्वरूप का विवरण प्रस्तुत किया है। **प्रस्तुत है इसके अंश**

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर 26 के वार्ड पार्षद जितेंद्र कुमार राय हैं। बचपन से ही जनसेवा की भावना को अपने हृदय में सजोए हुए, जितेंद्र ने अनेक परिस्थितियों को झेलते हुए वार्ड परिषद के रूप में पहली बार मई



बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर 26 के वार्ड पार्षद जितेंद्र कुमार राय ने बताया कीसमाज के बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद पाकर, आज वार्ड नंबर 26 के वार्ड पार्षद के रूप में जनसेवा हेतु समर्पित हूं। मेरी पहली प्राथमिकता संपूर्ण वार्ड को स्वच्छ एवं सुविधा युक्त बनाना है। ज्ञातव्य हो कि वार्ड नंबर 26 में कुल

2018 में बांका नगर परिषद के वार्ड नं-26 के वार्ड पार्षद निर्वाचित हुए। उस समय बांका नगर परिषद नगर पालिका हुआ करता था। यद्यपि अपने शिक्षण कार्य को पूरा कर परदेस में रोजी रोजगार करने के उपरांत स्थानीय बांका रजिस्ट्री कचहरी में ही अपनी सेवा प्रारंभ किया। अपने अध्ययन काल में ही सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हुए, समाज में होने वाले उत्सव, समारोह में अपनी

मतदाताओं की संख्या 1000 है जिसमें गली-गली का कार्य आवंटित राशि के अनुरूप पूर्ण हो चुका है साथ ही दो स्टैंड पोस्ट हैं और बिजली की व्यवस्था भी दुरुस्त हमारे वार्ड में ही सदर अस्पताल बांका रेलवे जक्षन वार्ड बांका कृषि विज्ञान केंद्र बांका अवस्थित है। नल जल योजना का कुछ कार्य अभी पूर्ण करनी है। जिसके लिए कार्य जारी है, वह भी अति शीघ्र पूरा हो जाए।

बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 6 वार्ड पार्षद हैं भवानी देवी मई 2018 को वार्ड परिषद के रूप में निर्वाचित हुई। इसके पूर्व यह सरकारी सेवा में अपना योगदान दे चुकी हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी के पद से वर्ष 2013 में सेवानिवृत्त होने के उपरांत, इनके मन में जनसेवा की भावना



जगी और समाज में वैसे बच्चियों को इन्होंने शिक्षा दान देना शुरू किया जो विद्यालय जाने से वर्चित थी। भवानी देवी की मां ने तो इनका निज गांव नोनिहारी एक शिक्षित ग्राम माना जाता है। यहां के अधिकांश महिला पुरुष उच्च सरकारी सेवा में उच्च पदों पर पदस्थापित हैं। इनकी बहू पुलिस सेवा में प्रशासनिक अधिकारी हैं। गांव की गरिमा को बढ़ाते हुए इन्होंने अपने सेवाकाल से ही अपने समाज के लोगों को अपनी बच्चियों को नियमित विद्यालय भेजने और उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित करती रही। अब वार्ड पार्षद के रूप में अपने वार्ड नंबर 6 के लिए सेवा भाव से समर्पित हूं। भवानी देवी की माने तो मई दो हजार अद्वारह को 140 मतों से विजय प्राप्त कर वार्ड परिषद बनी थी उस समय नगर परिषद नगर पालिका हुआ करता था वर्तमान समय में कुल मतदाताओं की संख्या 1000 है कुल प्राथमिक विद्यालय की संख्या एक है। मध्य विद्यालय की संख्या 1 है। स्टैंड पोस्ट दो लगा हैं। जल नल योजना गतिमान है। और गली नाली योजना का कार्य 20% ही पूरा हो सका है। योजना का अभाव एवं नगर परिषद का स्थायित्व नहीं होने के कारण, आवंटित राशि वार्ड में नहीं पहुंच पाने के कारण योजना अधूरी है। परंतु नए नगर परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं। और नियमित रूप से सेवा करते हुए वार्ड की जो समस्याएं हैं। उसे अभिलंब निष्पादित करने हेतु हर पल प्रयासरत रहंगी।

बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 11 की वार्ड पार्षद बेबी कुमारी धोष मई 2018 के चुनाव में निर्वाचित हुई। इसके पूर्व इसी वार्ड के पार्षद के रूप में इनके पाति सिंटू कुमार धोष हुआ करते थे। जो 2002, 2007, एवं 2012 में लगातार वार्ड पार्षद रहे। मई 2018 के चुनाव में यह वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हो गया, अपितु श्री धोष की पत्नी बेबी कुमारी धोष ने इस वार्ड के विकास का जिम्मा अपने ऊपर लिया। ज्ञातव्य हो कि इस वार्ड में कुल मतदाताओं की संख्या 15 100 है कुल प्राथमिक विद्यालयों की संख्या दो हैं। वार्ड के विकास हेतु आवंटित राशि के मद में गली-नाली एवं नल का जल का 90% कार्य पूरा हो चुका है। साथ ही जो कार्य अधूरा है। उसे अति शीघ्र पूरा कर समस्त वार्ड को नल, जल और गली-नाली योजना से युक्त कर दिया जाएगा। वार्ड पार्षद बेबी कुमारी धोष की माने तो बांका नगर परिषद को नए अध्यक्ष मिल जाने से पूरे वार्ड में विकास की गति तेज हो गई है। स्वच्छता को लेकर लगातार ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव एवं कचरे को निष्पादित करने हेतु हर सड़क में, हर गली में, नगर परिषद का ट्रैक्टर नियमित सेवारत है। अपने कार्यकाल में मेरा वार्ड पूर्ण रूप से स्वच्छ एवं हर सुविधा से युक्त रहे। इसके लिए मैं जन सेवा हेतु समर्पित हूं।



बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर 9 की वार्ड पार्षद हैं। लक्ष्मी देवी मई 2018 के चुनाव में अपने निकटम प्रतिद्वंदी से 142 मतों से जीत हासिल कर वार्ड आयुक्त बनी थी। लक्ष्मी देवी की माने तो जनप्रतिनिधि अपने पाति फंदूश जी के सानिध्य में वार्ड के हर समस्याओं का समाधान के लिए तत्पर रहती हूं। मेरे वार्ड में कुल 1600 घोटार हैं। एवं एक बूथ है। प्राथमिक विद्यालय की संख्या 1 है एवं सरकारी भवनों में से डीएम आवास एवं एसडीपीओ आवास अवस्थित हैं। हमारे वार्ड का परिसीमन क्षेत्र ईदगाह रोड बिधौरी स्थान होते हुए आजाद चौक से डायट होते हुए, बैकुंठ नाथ मंदिर गली रोड से तारामंदिर तक माना जाता है। जो कि बाबू टोला कहलाता है। हमारे वार्ड में दो स्टैंड पोस्ट लगा है। जल नल योजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। कुछ पीसीसी सड़कों का निर्माण हुआ है। और कुछ होना है। शौचालय का 30 लाख भूकम्हन को रकम भुगतान हो चुका है। आवास योजना के तहत 25 आवासों में से 18 की स्वीकृति मिली है। जिसका काम प्रारंभ है। हमारे वार्ड में प्रायः सभी बिजली पोलों पर एलईडी बिल्डर पर लगा हुआ है। और डीएम चौक आवास पर हाई मास्क लाइट भी लगा है।

जो बॉर्डर सीमा 17 वार्ड का पड़ता है लेकिन उससे हमारे वार्ड वासी भी लाभान्वित होते हैं। नए जिला परिषद के गठन के साथ ही कुछ उम्मीदें जगी हैं। कुछ नई योजना के तहत नए विकासात्मक कार्य वार्ड में संभव होगा। साफ सफाई के लिए नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव हमारे वार्ड में कराया जाता है। कूड़ा उत्सर्जन के लिए नियमित रूप से ट्रॉली कूड़ा संग्रहित कर गंतव्य स्थान पर निरस्त करते हैं। वार्ड वासियों के सभी समस्याओं के निदान हेतु मैं हर पल तत्पर रहती हूं।



बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 2 की वार्ड पार्षद है क्रांति देवी वर्ष 2018 के चुनाव में 300 मतों से विजय प्राप्त कर वार्ड आयुक्त बनी थी क्रांति देवी। इसके पूर्व इस वार्ड से लगातार वार्ड आयुक्त थे, इनके पति पुनेश्वर मंडल। क्रांति देवी की माने तो पति के सनिधि में मैं अपने वार्ड के निवासियों के समस्याओं के समाधान हेतु हर हमेशा तत्पर रहती हूं। वार्ड नंबर 2 में, 3 गांव आता है, गरनिहा, केवल डीह और पथरा। मेरे वार्ड का परिसीमन पूरब में केवल डीह पश्चिम में अमरपुर बांका अमरपुर, पथ उत्तर में ककना मैदान और दक्षिण में डकाय नदी मेरे वार्ड में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 2 है। जबकि कुल मतदाताओं की संख्या 800 है। हमारे वार्ड में कुशवाहा पैरवा, हरिजन, मुसहर कादर, एवं राजपूत समुदाय के लोग निवास करते हैं। जल - नल योजना का कार्य पूर्ण होने को है। गली-गली पथरा में आठ लाख की लागत से पीसीसी सङ्क का निर्माण कराया जा रहा है। गरनिहा में मरम्पत का कार्य जारी है। एवं दो स्टैंड पोस्ट लगा है। जो एक कादर टोला केवल डीह में और एक हरिजन टोला गरनिहा में एक सामुदायिक भवन है। और बिजली की व्यवस्था दुरुस्त है हमारे वार्ड में पर्याप्त एलईडी भेपर लगा है। स्वच्छता को लेकर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नियमित कराया जाता है। नए नगर परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं। मैं अपने वार्ड वासियों के हर समस्या के समाधान हेतु हर पल समर्पित हूं।

बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 3 के वार्ड आयुक्त हैं, मोहम्मद शहीम मई 2018 को हुए चुनाव में 250 मत प्राप्त कर वार्ड आयुक्त निर्वाचित हुए थे। बांका नगर परिषद कार्यालय से 3 किलोमीटर पर अवस्थित लक्ष्मीपुर, चक्का डीह, गोडियारी, नरहेट, गांव इनके वार्ड का परिसीमन क्षेत्र है। मोहम्मद शहीम की माने तो मुस्लिम, यादव, हरिजन, एवं पासवान समुदाय के लोग हमारे वार्ड में हैं। विकास के नाम पर अति पिछड़ा था हमारा वार्ड चक्का डीह गांव में मेरे पूर्व से ही रोडपकड़ी सङ्क नहीं बना था। अभी वर्तमान समय में इस पर विशेष पहल करते हुए, चक्का डी में पकड़ी रोड बनाया जा रहा है। मेरे वार्ड क्षेत्र में एक सरकारी भवन जो कपूरी छात्रावास अवस्थित है। मध्य विद्यालय नहीं हैं प्राथमिक विद्यालय नहीं हैं स्टैंड पोस्ट टंकी युक्त दो हैं। जो कि गतिमान हैं, वार्ड में जल नल का कार्य 50% पूरा हो चुका है गली नाली योजना 3 पूर्ण हो चुका है एवं रोशनी का कार्य पूरा हो चुका है हालांकि उन्होंने विभागीय उदासीनत के कारण अपने वार्ड में भी पर नहीं लगाने की बात कही है चक्का डीह गांव में बहुत दिनों से बिजली नहीं थी जो अब बिजली जल रही है हमारे वार्ड में सङ्क किनारे कुछ भूमिहीन लोगी निवास करते हैं उनके उत्थान के लिए भी मैंने पहल की है और सरकार को उनके अस्थाई आवास हेतु भी प्रयासरत हूं वार्ड में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए, ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव करवाता हूं। अपित नए जिला परिषद के गठन से विशेष उम्मीद जगी है। जिसके लिए मैं अपने वार्ड वासियों की समस्या के निदान हेतु हर पल प्रयासरत रहूंगा।



बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर 12 के वार्ड पार्षद हैं। विकास की माने तो मई 2018 में होने वाले चुनाव में 423 मतों से निर्वाचित होकर मैं वार्ड आयुक्त बना। उस समय बांका नगरपालिका हुआ करता था। बांका नगर परिषद का हृदय स्थलीय क्षेत्र शिवाजी चौक से करहरिया रोड शांति नगर एवं पुरानी बस स्टैंड क्षेत्र में इनके वार्ड का परिसीमन है। शहर के बीचोबीच अवस्थित इनके वार्ड में अधिकांश हरिजन अति पिछड़ा एवं निस्सहाय लोग निवास करते हैं। सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं के द्वारा पूर्व में जो विकास हुआ उसके अनुरूप इनकी माली हालत में कोई सुधार नहीं देखा जा रहा था। अपितु मेरे मन में असहाय एवं निर्धन लोगों को सरकार की योजना का लाभ दिलाने हेतु प्रेरणा जगी। फलत: वार्ड नंबर 12 के लिए जन सेवा भाव से अपने को समर्पित कर 2018 में वार्ड पार्षद निर्वाचित हुए। मेरे वार्ड में स्टैंड पोस्ट दो हैं। जल नल गतिमान है। गली में नाली का कार्य पूर्ण हो चुका है। स्वच्छता के लिए नियमित रूप से वार्ड में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव विशेष रूप से किया जाता है। साथ ही विकास के मद्देन वार्ड के लिए आवाटित राशि के द्वारा जो कार्य करने थे, वह भी पूर्ण हो चुका है। अब नए नगर परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं। इसके लिए मैं जन सेवा भाव से अपने वार्ड वासियों की समस्या का त्वरित निदान हेतु पूर्ण रूप से समर्पित हूं।

अजीत कुमार राजहंस वार्ड नंबर 22 के वार्ड पार्षद हैं। मई 2018 हुए नगर पालिका के चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी खगेश ज्ञा से 356 मतों से विजय प्राप्त कर आयुक्त निर्वाचित हुए थे। वर्तमान में नगर पालिका नगर परिषद के रूप में विद्यमान है। अजीत कुमार राज हंस ब्राह्मण हैं तथा एल एल बी करने के उपरांत वर्तमान समय में अधिकवक्ता भी हैं। इसके पूर्व शिक्षा दान का कार्य करते हुए प्राइवेट ट्यूशन के रूप कार्यरत थे। राजहंस की माने तो हमारे गली में रिक्षा तक जाने का साधन नहीं था। वैसे तो ब्राह्मण बाहुल क्षेत्र हमारा वार्ड माना जाता है। हूं अपितु हमारे वार्ड में बनिया, राजपूत, एवं अति पिछड़ा वर्ग के लोग निवास करते हैं। विजय नगर चौक से परिसदन दुर्ग स्थान रोड शनि मंदिर एवं वार्ड के 18, 21 और 23, 24 सीमा मेरे वार्ड के अंधीन आता है। हमारे वार्ड में कुल मतदाताओं की संख्या 1400 के लगभग है। सरकारी भवन के रूप में परिसदन हमारे ही वार्ड क्षेत्र में है। हमारे वार्ड में स्टैंड पोस्ट की संख्या 2 है। जो चालू अवस्था में है। जल नल योजना का कार्य पूरा हो चुका है। कुछ स्थानों पर बाकी है। वह भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। गली नाली का काम भी 40% से ज्यादा पूरा हो चुका है। वार्ड में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव एवं नाला सफाई का कार्य नियमित चलता रहता है। साथ ही बिजली की व्यवस्था भी हमारे वार्ड में अधिकांश तह पूर्ण हो चुका है। बिजली की व्यवस्था दुरुस्त है। राजहंस ने आगे बताया कि विद्यार्थी परिषद से जुड़ा हुआ, पूर्व में मैं गांव की समस्या को देखकर अपने घर पर अपने गली में कीचड़ नुमा रास्ता को भी देखकर बहुत ही हीन भावना से ग्रसित रहता था। लिए बिजली के लिए मैंने नियमित आंदोलन भी किया। हमारे गांव में बिजली की व्यवस्था दुरुस्त नहीं थी। अब हमारे वार्ड वासियों के आशीर्वाद से हमें जन सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं अपने वार्ड के हर समस्या के निदान हेतु नियमित रूप से समर्पित हूं। साथ ही नए जिला परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं। जिसका की फायदा हमें निकट भविष्य में अति शीघ्र होगा।

बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 25 के वार्ड पार्षद हैं। कुलदीप पासवान जी वर्ष 2018 में हुए नगर पालिका चुनाव में 78 वोटों से इन्होंने अपनी जीत दर्ज कर आयुक्त निर्वाचित हुए थे। उस समय बांका नगर परिषद नगर पालिका हुआ करता था। बिहार पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए कुलदीप पासवान राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित हुए हैं। सेवानिवृत्ति के उपरांत जब ये गांव आए, तो उन्होंने यहां की समस्याओं को देखकर इनके मन में जन सेवा का भाव जगी। पासवान जी की माने तो स्वयं के वार्ड में इनके बोटर लिस्ट में मेरा ही नाम अंकित नहीं था पुनः नाम अंकित हुआ, और मैं वार्ड नंबर 25 के सभी वार्ड वासियों के आशीर्वाद का प्रतिफल वार्ड पार्षद निर्वाचित हो गया। मेरे वार्ड में कुल मतदाताओं की संख्या 1300 है। वार्ड N25 का सीमा क्षेत्र जगतपुर काली स्थान से संत जोसफ विद्यालय के पूर्व की दिशा, वीर कुंवर सिंह छात्रावास और कन्या मध्य विद्यालय तक माना जाता है। मेरे वार्ड में कारब्ध, मंडल, हरिजन पासवान, एवं अल्पसंस्कृत, समुदाय के लोग निवास करते हैं। मेरे वार्ड में दो स्टैंड पोस्ट लगा है। एक जगतपुर बजरंगबली स्थान के पास दूसरा उत्तर दिशा में बरगद वृक्ष के समीप। जल - नल योजना का कार्य अधिकांश तह पूर्ण हो चुका है। गली - नाली योजना पूर्व में जो निर्धारित थी उसमें 25% कार्य पूरा हुआ है। शेष कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। स्वच्छता के विषय में उन्होंने कहा कि ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव एवं रोशनी के लिए हमारे वार्ड में पर्याप्त, एलईडी भेपर लगा है। जिससे आवागमन में वार्ड वासियों को कोई असुविधा नहीं होती है। साथ ही नए नगर परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं। वार्ड की जनता के हर समस्याओं के समाधान हेतु, मैं हर पल समर्पित हूं।





बांका नगर परिषद वार्ड नंबर 23 की वार्ड पार्षद हैं. प्रीति वाला देवी वार्ड नंबर 23 बांका नगर परिषद के विजय नगर मोहल्ले की परिसीमा में परिसदन रोड के पूर्व गली से काली स्थान तक माना जाता है. प्रीति बाला देवी की माने तो मई 2018 के नगर पालिका चुनाव में 566 मतों से निर्वाचित घोषित हुई थी. वार्ड नंबर 23 में कुल मतदाताओं की संख्या 1500 है. स्टैंड पोस्ट दो लगा है. एक मेहता टोला के पास दूसरा राजपूत टोला के पास, जल नल योजना का कार्य 80% तक संपन्न हो गया है. कुछ दिनों के बाद प्रत्येक वार्ड वासियों को उनके घर में नल का जल प्राप्त हो जाएगा. ज्ञातव्य हो कि 230 घरों में नल से जल की सुविधा प्राप्त हो जाएगी. पीसीसी सड़क का भी कार्य जारी है गली नली योजनाओं का भी कार्य प्रगति पर है. वार्ड नंबर 23 में राजपूत भूमिहार, ब्राह्मण, मेहतर के अलावे वैश्य से सूड़ी, सोनार एवं बनिया, समुदाय के लोग निवास करते हैं. ज्यादातर वैश्य समाज के लोग ही इस वार्ड में हैं. प्रीति वाला देवी की माने तो हमारे पति विनोद साह सन 1977 में दो बार वार्ड आयुक्त रहे. पूर्व में विजयनगर में दो ही वार्ड था. 4 और 5 पुनः यह वार्ड 15 नंबर घोषित हुआ. 15 नंबर के वार्ड के बाद यह वार्ड 20 नंबर घोषित हुआ. और 20 के उपरांत वर्तमान समय में 23 नंबर घोषित है. अपने पति विनोद कुमार साह के सानिध्य में वार्ड नंबर 23 के निवासियों को हर समस्या के समाधान हेतु त्वरित पहल करती हैं. साथ ही साथ स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए. वार्ड में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव जा रही है. साथ ही साथ कचरा निष्पादित करने हेतु वार्डों में सफाई कर्मी नियमित ट्रॉली लेकर धूमते रहते हैं. बिजली की व्यवस्था दुरुस्त है. परंतु हमारे वार्ड में एक भी एल ई डी भेपर नहीं लगा है. साथ ही पूर्व के बारे में उन्होंने बताया कि पूर्व में नगर पालिका में सरकारी निधि से आवंटित राशि कम होती थी. जिस कारण से सड़कों पर साफ-सफाई का भी विशेष रूप से निवारण नहीं हो पाता था. ना ही बिजली के पोल में ज्यादा शक्तिशाली बल्ब नहीं लगाया जा सकता था. परंतु वर्तमान समय में सरकार द्वारा नगर परिषद को विभिन्न मदों में राशि आवंटित होती है. चाहे वह सफाई के लिए हो नल में नल जल योजना के तहत हो सड़क योजना के लिए हो. इस कारण से वार्ड में सभी विकासात्मक कार्य प्रगतिशील हैं साथ ही उन्होंने कहा कि नए जिला परिषद के गठन के उपरांत नई उम्मीदें जगी हैं जिससे कि आने वाले समय में हमारे वार्ड में हर समस्या के निवारण हेतु त्वरित पहल संभव होगा.



बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर 24 की वार्ड पार्षद हैं. निशा रानी मई 2018 में हुए चुनाव में 504 मत प्राप्त कर पार्षद चुनी गई थी. इससे पूर्व इनकी सास वार्ड की पार्षद हुआ करती थी. निशा रानी की माने तो पति के सानिध्य में अपने वार्ड के समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु हर पल सतत प्रयत्नशील रहती हैं. हमारे वार्ड में कुल मतदाताओं की संख्या 1100 है. जिसमें 1 प्राथमिक विद्यालय और एक माध्यमिक विद्यालय भी अवस्थित है. हमारे वार्ड का परिसीमन क्षेत्र पूर्व में भैयहरण स्थान, पश्चिम में महादेव स्थान के आगे तक, उत्तर में मिशन स्कूल, एवं दक्षिण में रेलवे लाइन माना जाता है. हमारे वार्ड में दो स्टैंड पोस्ट लगाया गया है. जल नल योजना एक. जल नल योजना के तहत पाइप बिछाने का काम प्रारंभ है. अतिशीघ्र यह काम पूरा हो जाएगा. गली-गली योजना पूरा हो चुका है. जगतपुर हमारे वार्ड परिसीमन क्षेत्र में पवकी नाला का कार्य चल रहा है. आवास योजना के तहत 15 आवेदनों में से 8 को आवास योजना का लाभ प्राप्त हो चुका है. शौचालय योजना के तहत लोगों की आवेदन के बदले शत प्रतिशत लोगों को रकम प्राप्त हो चुका है. हमारे वार्ड में एल ई डी भेपर नहीं लगा है. लेकिन सड़क किनारे पोल पर बिजली रोशनी की व्यवस्था उत्तम है. साफ सफाई हेतु ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव निरंतर करवाया जाता है. जिससे कि वार्ड में सफाई कायम रह सके. निकट भविष्य में आवंटित राशि के साथ ही कुछ पीसीसी सड़क का निर्माण होगा है. साथ ही नए जिला परिषद के गठन के साथ ही हमारे वार्ड में और भी उम्मीदें जगी हैं. मैं हर पल अपने वार्ड वासियों की हर समस्या के निदान हेतु तत्पर हूं.



बांका नगर परिषद की वार्ड नंबर 17 की वार्ड पार्षद है. रुबी देवी मई 2018 को हुए नगर पालिका चुनाव में यह 17 वोटों से जीत हासिल कर पार्षद हुई थी. रुबी देवी की माने तो पति चंद्रशेखर पांडे के सानिध्य में वार्ड नंबर 17 के निवासियों के हर आम समस्याओं का समाधान करने हेतु हर पल तत्पर हूं. मेरे वार्ड में सरकारी भवनों की संख्या में से जिला परिषद कार्यालय मुख्य रूप से अवस्थित है. मेरे वार्ड का परिसीमन क्षेत्र जिलाधिकारी आवास से विजयनगर, शीतला स्थान तक एक छोर में दूसरे छोर में ईदगाह रोड होते हुए बाबू टोला वन विभाग कार्यालय के पीछे का भाग माना जाता है. मेरे वार्ड में दो स्टैंड पोस्ट लगा है. एक पंचमुखी मंदिर के पास और दूसरा ईदगाह के समीप इसका निर्माण कराया जाएगा. जल नल योजना के तहत एक नल योजना जल मीनार से 248 घरों में जल के नल का कनेक्शन पहुंचा दिया गया है. पुनः 250 के करीब और घरों को यह सुविधा बहुत जल्द ही प्राप्त हो जाएगा. पीसीसी सड़कों की संख्या गली मोहल्ले में दुरुस्त है. शौचालय की व्यवस्था पूर्व में जो निर्धारित है. वह भी पूरा हो चुका है. इसके लाभुकों को प्रदत्त राशि प्राप्त हो चुकी है. आवास योजना में 6 आवेदन प्राप्त हुए हैं. जिसमें की दो लाभुकों का काम प्रारंभ हो गया है. साफ सफाई के लिए प्रतिदिन ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव हमारे वार्ड में नियमित रूप से किया जा रहा है. तथा कूड़ा उत्सर्जन के संबंध में ईदगाह के समीप एक पवकी कूड़ा दाना का निर्माण कराया जाएगा. जहां से सफाई कर्मी कूड़ा संग्रहित कर इसे निरस्त करेंगे. रुबी देवी की माने तो हमारे वार्ड में रोशनी की व्यवस्था दुरुस्त है पोल पर एल ई डी भेपर भी लगा हुआ है. साथ ही साथ गली-गली योजना के तहत ढक्कन युक्त नाली का निर्माण कुछ हद तक हो चुका है. और जहां बाकी है वहां निकट भविष्य में जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा. इसके साथ उन्होंने आगे बताया कि नए जिला परिषद के गठन से नई उम्मीदें जगी हैं, और निकट भविष्य में हमारे वार्ड में और कई विकासात्मक कार्य होने के आसार हैं. इसके लिए मैं सदा तत्पर रहूंगी.



राजेश कुमार सिंह बांका नगर परिषद के वार्ड नंबर-7 की वार्ड पार्षद है. मई 2018 में हुए नगर पालिका चुनाव में 137 मतों से इन्होंने अपने निकटम प्रतिद्वंदी विवाह विवेकानंद तिवारी को पराजित कर वार्ड पार्षद निर्वाचित हुए थे. राजेश कुमार सिंह की माने तो हमारे वार्ड में 1250 वोटर हैं. कुल बूथोंकी संख्या 1 है. इन्हमारे वार्ड में स्टैंड पोस्ट दो लगा है. और निकट भविष्य में और दो लगाने की योजना है. हमारे वार्ड का परिसीमन क्षेत्र अमरपुर रोड में अवस्थित पंजिकार सदन से आदर्श नगर, व्यापार मंडल कॉलोनी होते हुए, रेलवे ओवरब्रिज नेहरू कॉलोनी गेट तक माना जाता है. हमारे वार्ड में प्राथमिक विद्यालय की संख्या 1 है. एवं हमारे वार्ड में सभी सरकारी भवन जिले के सभी प्रमुख सरकारी भवन अवस्थित हैं. बांका समाहरणालय वार्ड नंबर 7 में भी अवस्थित है. प्रखंड कार्यालय, सुधा कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, पशुपालन, कार्यालय सिंचाई विभाग, कार्यालय, एवं व्यापार मंडल, भी अवस्थित हैं. मुख्य रूप से अमरपुर रोड से बाबू टोला कहे जाने वाले वार्ड नंबर 7 का क्षेत्र सड़क के बायां भाग माना जाता है. जल नल योजना के तहत कार्य अति शीघ्र प्रारंभ होने की उम्मीद है. साथ ही गली नली योजना के तहत ढक्कन युक्त नाली नाले का निर्माण कुछ गलियों में हुआ है. और बाकी कार्य निकट भविष्य में जल्द ही प्रारंभ हो जाएगा. साथ ही कुछ गलियों में पीसीसी सड़क का भी निर्माण हुआ है. कूड़ा उत्सर्जन हेतु प्रयोक घरों में डस्टबिन का भी वितरण कार्य पूरा हो चुका है. इस तरह नए जिला परिषद के गठन के साथ ही नई उम्मीदें जगी हैं, और वार्ड वासियों के हर समस्या के निदान हेतु नई उम्मीदों के साथ में हमेशा तत्पर हूं.

डॉ. विनीता प्रसाद बनी निर्विरोध बांका नगर परिषद की उपाध्यक्षा



राजेश पंजिकार (ब्यूरो प्रमुख)

नगर परिषद बांका के उपाध्यक्ष पद पर बुधवार दिनांक 9:12 2020 को चुनाव हुआ इसमें वार्ड संख्या 16 की वार्ड पार्षद डॉ विनीता प्रसाद निर्विरोध उपाध्यक्ष चुनी गई। निर्वाचन पदाधिकारी सह अनुमंडल अधिकारी बांका मनोज कुमार घोषणा की समाहरणालय सभागार में डॉक्टर विनीता प्रसाद ने उपाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन किया इसमें 26 में से 22 पार्षदों ने भाग लिया 4 पार्षदों में पूर्व में सभापति रौनक सिंह पूर्व उपसभापति अनिल सिंह व उनकी पत्नी वार्ड सदस्य माधुरी सिंह अनुपस्थित रही जबकि राजकुमार रजक वार्ड पार्षद चुनाव में अनुपस्थित रहे। इस कारण उपाध्यक्ष पद के लिए एकमत्र उम्मीदवार होने के साथ ही डॉक्टर विनीता प्रसाद निर्विरोध चुनी गई इसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

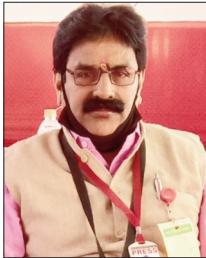


ने उपाध्यक्ष को प्रमाण पत्र देने के साथ ही शपथ दिलाई इधर उपसभापति बनने पर अध्यक्ष संतोष सिंह सहित अन्य पार्षदों ने जीत की खुशी में बधाई दी पूर्व वार्ड पार्षद सुजीत कुमार घोष ने बुके देकर सम्मानित किया

मुखिया काशीनाथ चौधरी इस मैट्रे पर उपस्थित थे उन्होंने उनको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही सभी वार्ड पार्षदों का काफिला, बांका नगर परिषद पहुंचा। जहां नगर परिषद के अध्यक्ष संतोष सिंह पूर्व वार्ड आयुक्त सुजीत कुमार घोष सिंटू वार्ड आयुक्त बेबी घोष, विकास चौरसिया, प्रीति वाला, राजेश सिंह, राजीव यादव, सीता देवी, रिंकू देवी, सुनीता गुप्ता, जितेंद्र राय, सहित अन्य वार्ड पार्षदों ने नव निर्वाचित उपाध्यक्ष विनीता प्रसाद को बुके देकर उनका भव्य स्वागत किया। उपसा उपाध्यक्ष चुने के जाने के बाद डॉ विनीता प्रसाद ने चर्चित बिहार को बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता शहर को साफ एवं सुंदर बनाना होगा। शहर के विकास के लिए सभी लोगों का साथ होना जरूरी है। इसके लिए हम सभी मिलकर काम करेंगे। इसके साथ ही आम लोगों तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इस पर भी बल दिया जाएगा।

कटोरिया प्रखंड में दम तोड़ते जल नल योजना की सुधि लेने वाला कोई नहींप्रशासन मरत- जनता परत शोभा की वस्तु बनी जल मीनार

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)



बांका जिले का कटोरिया पंचायत इन दिनों सरकारी उदासीनता का शिकार है। एक ओर जहां सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को लागू कराने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त कर, उसे आम जनता को लाभ प्राप्त हो सके, इसकी जवाबदेही संबंधित पदाधिकारियों पर होती है। परंतु कटोरिया पंचायत के विभिन्न पंचायतों में इन दिनों सात निश्चय योजना के तहत जल नल योजना दम तोड़ रही है। जहां एक और उंची उंची टंकीयां शोभा की वस्तु बनी हुई हैं। वहीं दूसरी ओर उस टंकी से पानी की सप्लाई लाभुकों को नहीं होने से सरकारी तंत्र के विरुद्ध आम लोगों में रोष व्याप्त है। ज्ञातव्य हो कि कटोरिया प्रखंड में हर घर जल का नल पहुंचाने की जवाबदेही कुछ कुछ पंचायतों में छोड़कर जिले के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, को सौंपी गई है, जिसके अधीन प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के सुस्ती पन के कारण उक्त स्थल पर संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं हो पा रहा है। जिस कारण सेजल नल योजना दम तोड़ रही है। जिसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं।

पंचायत के जनप्रतिनिधि मुखिया होते हैं। लोगों को सरकार के द्वारा दी जाने वाली सुविधा एवं लाभ से लाभान्वित नहीं होने से मुखिया जी को ही इस समस्या के समाधान नहीं होने का जिम्मेदार मानती है। परंतु यथार्थ कुछ और है जो सबके सामने और विभाग के सामने है। कटोरिया पंचायत के मुखिया प्रदीप कुमार गुप्ता ने चर्चित बैठार को बताया कि कि ग्राम पंचायत कटोरिया के वार्ड नंबर 10, 11 और 12 जो वार्ड क्रियान्वयन समिति के द्वारा जल नल योजना का कार्य करवाया गया है। मेरी निगरानी एवं देख रेख में सुचारू ढंग से पानी आम लाभों को को प्राप्त हो रहा है। लेकिन सरकार के द्वारा वार्ड नंबर 1, 2, 3, 4, 13, 14, और 15 वार्डों में अब तक लाभुकों को नल से जल की सुविधा की प्राप्त नहीं हो सकी है। संबंधित लाभुक मुखिया जी के पास आते हैं। और कहते हैं कि वार्ड नंबर 9, 10, 11 और 12 में पानी चल रहा है। तो सरकारी योजना से बनाया गया टंकी से हम लोग को क्यों पानी नहीं मिल पा रहा है? साथ ही प्रखंड कार्यालय के पास जल मीनार से वार्ड 7, 8 में जल सप्लाई किया जाता था। परंतु अब वह भी नहीं पहुंच पा रहा है। मुखिया जी की माने तो वार्ड नंबर 7 में एक तरफ पाइप बैठाया



ही नहीं गया है। तुलसी वरण महादलित टोला वार्ड नंबर 5 का भी यही स्थिति है। मचवरिया वार्ड नंबर 1 में जल नल योजना सरकार के द्वारा लगाया गया है। लेकिन आज तक आम लोग इससे लाभान्वित नहीं हो सके हैं। कटोरिया पंचायत के ही राजबाड़ा गांव में वार्ड नंबर 13, 14 बिलोनी वार्ड नंबर 4 मसूरिया वार्ड नंबर 16 तक छाता करूम, वार्ड नंबर 2 और 3 को भी की भी यही स्थिति है। सात निश्चय के तहत इस योजना का लाभ ओम लाभुकों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ठीक उसी प्रकार तुलसी वरण महादलित टोला वार्ड नंबर 5 में सरकार के द्वारा पानी का टंकी लगाया गया है। लेकिन अब तक पानी आम जनता को नहीं मिल पा रहा है।



स्थानीय लाभुकों में से भूदेव शर्मा हरेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा, बैकुंठ शर्मा, अंशु शर्मा, अमर शर्मा, की माने तो इस योजना से पूजहार टोली में पानी जाना था, लेकिन आज तक नहीं आ सका है। कटोरिया जल नल योजना के तहत कुरावा वार्ड नंबर एक की भी यही स्थिति है। इस प्रकार एक और सरकार जहां सरकार अपने द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण योजनाओं की दुहाई देती रहती है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन के उदासीनता के कारण कटोरिया पंचायत का जल मीनार हाथी के दांत साक्षित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ठीक उसी प्रकार सात निश्चय योजना के तहत जल नल योजना कटोरिया पंचायत में टाय टाय फिश हो गई है।

ग्राम पंचायत कटोरिया के वार्ड नंबर 11, 12, 13 जो वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति के कार्य कराया गया है, जल, नल योजना का लाभ आम लाभुकों को प्राप्त हो रहा है। इसकी निगरानी एवं देखरे ख में स्वयं कर रहा हूं। जिसके तहत आम लाभुकों को नल के द्वारा जल आसानी से प्राप्त हो रहा है। लेकिन सरकार के द्वारा वार्ड नंबर 1, 2, 3, 4, 13, 14 और वार्ड नंबर 5 में अब तक लाभुकों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही कई वार्डों में पाइप बैठाने का काम भी पूरा नहीं किया गया है। जिस कारण से लाभुक जल नल योजना के लाभ से विहित हो रहे हैं।

प्रदीप कुमार गुप्ता, मुखिया, ग्राम पंचायत-कटोरिया, जिला -बांका



अमरपुर ने बाईपास सड़क का होगा निर्माण जिलाधिकारी ने किया स्थल का निरीक्षण

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका जिले का अमरपुर प्रखंड व्यवसायिक वैष्णिकोण से काफी उन्नत है। इस कारण सड़कों पर व्यवसायिक वाहनों के साथ साथ भागलपुर जाने हेतु वैकल्पिक मार्ग अमरपुर ही है। इस कारण वाहनों का आवागमन अमरपुर में अत्यधिक होने से संकीर्ण सड़कों पर लोगों को जाम से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परंतु कई दशकों से जाम की समस्या को झेल रहे अमरपुर के लोगों को अब जाम से निजात मिलने की संभावना जग गई है। अब शीघ्र ही अमरपुर में बाईपास का निर्माण कार्य शुरू होने की उमीद है। जिलाधिकारी सुहर्ष भगत एवं अन्य सभी विभाग के पदाधिकारियों की टीम के साथ अमरपुर में होने वाले संभावित बायपास मार्ग का जिला अधिकारी के द्वारा भौतिक निरीक्षण किया गया। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार चौधरी, सी.ओ सुनील कुमार, थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राय, सहित पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालक अधियंता के टीम के साथ अमरपुर के बाईपास सड़क निर्माण

जहां से संभावित बाईपास के मार्ग वीदनचक होते हुए प्रखंड मुख्यालय के समीप पीडब्ल्यूडी निरीक्षण भवन पहुंचे। तत्पश्चात जिलाधिकारी चपरी मोड होते हुए सूरिहारी गांव से कुलडिया चौक पहुंचे।

स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी अपने काफिले के साथ सिहुड़ीमोड़ पहुंचे। जहां से संभावित बाईपास के मार्ग वीदनचक होते हुए प्रखंड मुख्यालय के समीप पीडब्ल्यूडी निरीक्षण भवन पहुंचे। तत्पश्चात जिलाधिकारी चपरी मोड होते हुए सूरिहारी गांव से कुलडिया चौक पहुंचे। शहरवासी सहित आप लोग अमरपुर बाजार में लंबे दिनों से जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि पूर्व में विधायक जनार्दन मांझी ने अमरपुर में बाईपास को लेकर काफी सकारात्मक प्रयास किया था। जिसमें लगभग 1 वर्ष पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी ने बाईपास के लिए सिहुड़ीमोड़ से चपरी मोड होते हुए, कुलडिया चौक तथा अन्य वैकल्पिक मार्ग को तताश लिया था। जिसमें सुरिहारी गांव के लोगों के सकारात्मक सुझाव ने काफी प्रभावित किया था। जिससे इसी मार्ग होकर बायपास निर्माण की संभावना जग गई थी। पिछले दिनों विधानसभा चुनाव में एक सभा में मुख्यमंत्री ने अपने भ्रमण के क्रम में अमरपुर में बाईपास के निर्माण होने की ओर इशारा भी किया था। जिलाधिकारी बाईपास के निर्माण होने मार्ग का निरीक्षण कर भवरिया गांव स्थित चांदन नदी के उस स्थल पर पहुंचे, जहां नदी में पिछले दिनों प्राचीन भवनों के अवशेष मिले थे।



सगा स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी सुहर्ष भगत।



अमरपुर में बायपास सड़क का निरीक्षण करते हुए पूरी टीम के साथ जिलाधिकारी सुहर्ष भगत।

सिहुड़ी मोड़ से चपरी मोड़ होते हुए सुरिहारी से कुलहड़िया चौक ,तक बाईपास का निर्माण होना है। कुछ जगहों पर कुछ मामूली असुविधा है। जिसे दूर कर शीघ्र बाईपास का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

सुहर्ष भगत

जिलाधिकारी, बांका



कोरोना काल में योद्धा बन मानव सेवा का धर्म निभाया
आईएमए प्रेसिडेंशियल अवार्ड से डॉ प्रभा रानी प्रसाद को नवाजा गया

सुपर कोरोना योद्धा के स्वप्न में मिली एक अलग पहचान



कोविड काल में सदैर अस्पताल गोड़ा में अपने ज्यूटी पर तैनात अपनी पूरी टीम के साथ प्रभा रानी वर्मा।

कोरोना काल और लॉकडाउन के समय संपूर्ण देश की परिस्थितियां सबों के सामने प्रदर्शित थीं। लाग आक्रांत, भी थे तथा किसी अनहोनी के भाई के अपने भविष्य की चिंता के लिए डरे हुए भी राधे थे। उस विकट परिस्थितियों में मानव सेवा को अपना धर्म मानते हुए, जिन प्रतिभाओं ने अपनी भागीदारी नियमित रूप से निभाई है। सचमुच देश जनता और प्रशासन उसे सेल्यूट करती है। इनमें डॉक्टर, पुलिस, सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, डाक विभाग के अधिकारी, सफाई कर्मी एवं प्रेस प्रतिनिधि भी शामिल हैं। जिन जिन परिस्थितियों का सामना करते हुए इन लोगों ने सड़कों पर जो अपनी भागीदारी का निवाह निश्चित कर रहे थे। सचमुच इनके कार्यों को देखते हुए, इन्हें योद्धाशब्द का सम्मान प्राप्त हुआ है। सचमुच देश को हिफाजत के लिए लड़ने वाले उन बीर सपूत्रों को कर्म योद्धा कहा जाता है, ठीक कोरोना काल में और लॉकडाउन में अपनी भागीदारी निभाते हुए। डॉक्टर पुलिस प्रशासन, सफाई, कर्मी प्रेस प्रतिनिधि, बिल्कुल योद्धा के रूप में प्रमाणित हुए हैं।



प्रभा रानी वर्मा।

इसी क्रम में झारखण्ड राज्य के गोड़ा सदर अस्पताल की महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रभारानी प्रसाद ने उन दिनों मानव सेवा को ही अपना धर्म माना कर समय में मातृ- शिशु की रक्षा करते हुए। मातृत्व शिशु की रक्षा हेतु सदर अस्पताल में अपने पूरी टीम के साथ डटे रहे। कोरोना वायरस से संक्रमित गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया जो कि सचमुच साहसिक और मानव धर्म का काम है। कोरोना का सदेश दूर रहे 2 गज दूरी बनाए, हाथ धोते रहें और मास्क लगाएं, उस विकट परिस्थितियों में प्रसव के समय के कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों के प्रसव वेदना को देखते हुए। 2 गज की दूरी कैसे संभव हो सकता है? अपितु चिकित्सा पद्धति जो महिलाओं के लिए प्रसव काल मेंकी जाती है। उस अनुरूप उन्होंने निर्भीक और निर्दर होकर ना केवल, उन सभी गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया। बल्कि कई दिनों तक अस्पताल में हमेशा उन जच्चा बच्चाओं के शारीरिक जांच भी करती रही। जिससे कि उसे सुरक्षित अपने घर को भेजा जा

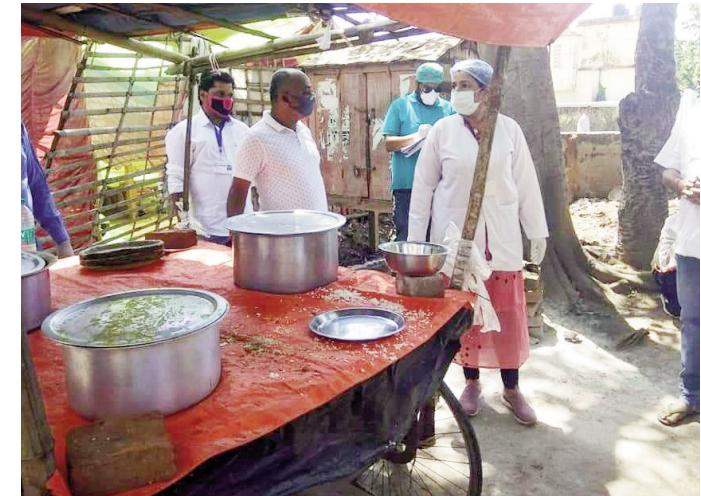


आईएमए द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र

सके. साथ ही साथ सुदूर देहात में कैंप लगाकर स्वच्छता के लिए किसी बीमारी के संक्रमण से बचाव हेतु भी अपनी गतिविधियों को नियमित रखा। उसी काल में किसी संस्था के द्वारा सुदूर देहात में

जाकर वैसे असहाय और जरूरतमंद लोगों को डॉ प्रभा रानी प्रसाद और उनकी टीम के द्वाराभोजन की व्यवस्था कराई गई। जिस कारण गोड्डा जिले में कोरोना योद्धा के रूप में एक अलग पहचान बना

चुकी डॉक्टर प्रभारानी प्रसादने अपने विभिन्न आयामों के साथ अपनी भागीदारी के साथ इस युद्ध में अपने को शामिल रखी है। गुड्डा जिला बासी इन्हें सेल्यूट करती है।



कोरोना समस्या एवं लॉक डाउन के बीच सुदूर गांव देवडाँड़ और टाकुरगंगटी में जाकर प्रतिदिन लोगों को खाना खिलाने की सहायता जो लायंस क्लब गोड्डा के सदस्य कर रहे हैं (सांसद श्री निशिकांत द्वारे जी के सौजन्य से), उसी का अवलोकन करते हुए प्रेसिडेंट लायन डॉ अजय झा, लायन सतोष सिंह एवं लायन अनुप गाड़ीया एवं मैं (लायन डॉ प्रभा रानी प्रसाद)



लायंस क्लब द्वारा जनकर्त्त्याणकारी योजनाओं घलाते डॉ. प्रभा रानी प्रसाद।

जये आयामों के साथ नगर परिषद् का स्वरूप होगा, नगरवासियों के लिए प्रभावशाली : चेयरमैन

संतोष कुमार सिंह नगर परिषद् के अध्यक्ष पद पर हुए आसीन



समागार में बैठक करते नव निर्वाचित नगर परिषद् अध्यक्ष संतोष सिंह व अन्य अधिकारीगण।

राजेश पंजिकार (ब्यूरो चीफ)

बांका नगर परिषद के नए अध्यक्ष के रूप में संतोष कुमार सिंह ने अपना पदभार ग्रहण किया। ज्ञातव्य हो कि बांका नगर परिषद का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद कई माह से विवादों के घेरे में था। जिस कारण से इसका वास्तविक स्वरूप नगर वासियों के सामने प्रदर्शित नहीं हो रहा था। विगत दिनों हुए चुनाव के उपरांत सर्वप्रथम इन्हें सदस्यों के द्वारा मतदान कर उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। तदुपरांत विस्तारीकरण के तहत, नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ। और इसके लिए निर्विरोध रूप से संतोष कुमार सिंह अध्यक्षनिर्वाचित हुए।

अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने चर्चित बिहार को बताया की संपूर्ण नगर परिषद क्षेत्र का उत्तरोत्तर विकास, हर वार्ड



बुके टेकर नए अध्यक्ष का स्वागत करते सुगीत कुमार थोप।



फीता काटकर अपने बैंदर में प्रवेश करते अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह।



अपने कार्यालय में कार्यालयक पदाधिकारी के साथ संतोष कुमार सिंह।

की समस्या का समाधान, एवं हर सुविधा मुहैया करना, मेरी पहली प्राथमिकता होगी. जिसमें गली और नाली योजना एवं रोशनी के लिए बिजली की व्यवस्था को पहली प्राथमिकता के रूप में उन्होंने स्वीकार किया.

बांका नगर परिषद के नए स्वरूप को नगर वासियों के सामने प्रदर्शित करने हेतु दिनांक 27 नवंबर को बरौं नगर परिषद के अध्यक्ष के रूप में अपने सभी वार्ड पार्षदों के साथ पहली बैठक की इस शुभ मुहूर्त में, अपने नवस्थापित कार्यालय बेशम में फीता काटकरपिंड ओम प्रकाश झा के वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ ही अपने नए कार्यालय में प्रवेश कर अपने आसन पर आसीन हुए.इस क्रम में बांका नगर परिषद के सभी वार्ड पार्षद नगर परिषद के कार्यालय कार्यालयक पदाधिकारी, सिटी मैनेजर, एवं सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मैं बुके देकर अपने नए अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया. कहाँ चलन इसके पूर्व अध्यक्ष के द्वारा आयोजित अपने सभी वार्ड पार्षदों के साथ बैठक में विशेष रूप से विभिन्न वार्डों में होने वाली समस्याओं से नगर परिषद के नए अध्यक्ष अवगत हुए . साथ उसका परिचय निदान हेतु भी नवनिवाचित अध्यक्ष ने सभी वार्ड पार्षद को आश्वस्त किया . अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विकास कार्यों पर विशेष रूप से चर्चा की गई .नाली नाली गली निर्माण एवं सभी वार्डों में 2 हैंड ट्रॉली एवं दो बड़ा हरा एवं नीली डस्टबिन लगाने का भी निर्णय लिया गया. मुख्य पार्षद ने बताया कि सभी वार्डों में नाली- गली बनाने के लिए कई माह से लंबित योजनाओं को पूरा करने के लिए सभी वार्डों में आठ आठ लाख आवंटित होंगे. साथ ही सभी वार्डों में वार्डों में 2 हैंड ट्रॉली एवं दो बड़ा हरा एवं नीली डस्टबिन लगाने का निर्णय लिया गया.इसके साथ ही लंबित योजनाओं पर चर्चा के साथ ही टैंकर खरीद को लेकर भी चर्चा हुई. जिसमें सभी टैंकरों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु निर्देश दिया गया. ज्ञातव्य हो कि पूर्व में 10 टैंकरों की खरीद में मानक का पालन पूर्व के कार्यालयक पदाधिकारी ने नहीं की थी .२३५८१२२-२३०१' की जगह लोहे का टैंकर खरीदने पर नप ने इसे गंभीरता से लिया है .नए अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि विकास कार्यों के लिए राशि की उपलब्धता पर चर्चा हुई .



बुके टैकर स्वागत करते विनाकर झा।



स्वागत समारोह में उपस्थित वार्ड पार्षदगण।



स्वागत समारोह में उपस्थित महिला वार्ड पार्षदगण।

कोमल स्पंदन



ये चन्दन की खुशबू जो आती है मुझसे...

कहीं तुमने मुझको छुआ तो नहीं है??

ये साँसो की सरगम चली मद्दम मद्दम...

मुझमें ग्राण स्पंदन भरा तो नहीं है??

ये स्वनिल निगाहें ,

ये बोझल सी साँसें...

कोई नज्म तुमने कहा तो नहीं है?

कभी हँसती हूँ कभी सजती संवरती..

कोई जादू तुमने किया तो नहीं है???

ये हौले से आती जो मुरक्कान मुझमें
कोई शोख मिसरा पढ़ा तो नहीं है???

डॉ प्रभा रानी प्रसाद@ सर्वाधिकार सुरक्षित



नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



नवल किशोर यादव

वरीय कोषागार
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



सृषि ट्टेजन

जिला निबंधन
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



चन्द्र देव महतो

जिला सांख्यिकी
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



सुरेण कुमार

उप निर्वाचन
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



विनल कुमार घोष

सहायक बंदोबस्त
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



डॉ लक्ष्मण पटित

एम.बी.बी.एस.
एम.एस. सर्जरी
सदर, अस्पताल, बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



डॉ अभ्यु प्रकाश चौधरी

जिला संचारी रोग
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



संजय कुमार

जिला कार्यक्रम
पदाधिकारी
बी.आर.डी.एस
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



कंचन कुमारी

सहायक कोषागार
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



सुमित्रानंदन

कार्यपालक
पदाधिकारी
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



अजय कुमार

सहायक अभियंता
डीआरडीए
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



सूर्य मूषण कुमार

निरीक्षक,
माप तौल
बिभाग, बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



उमेश प्रसाद

थानाध्यक्ष
शंभूगंज
जिला - बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



विनय पाल

विशेष शाखा
पदाधिकारी
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



डॉ संजय कुमार

प्रखंड विकास
पदाधिकारी
बांका

समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष, मकर संक्रान्ति एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं



अमित कुमार

प्रो. शिव ऑटोमोबाइल
बांका रोड, कटोरिया
जिला : बांका



नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



रजित कु. शर्मा

प्रो. शक्ति ग्लास हाउस
चूमार्केट कथरी रोड, बांका,
8084789834

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



अर्थोक कुमार

प्रोपराइटर
अमन फ़िटका भीट शॉप
जिला परिषद मार्केट
बांका, मो-9934757471

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



बालदेव पांडित

पूर्व मुखिया
ग्राम पंचायत-
कठौन(कटोरिया)
जिला - बांका

अमरपुर विधानसभा
क्षेत्र सहित, समस्त
प्रदेशवासियों को
**नव वर्ष,
मकर संक्रान्ति,
एवं गणतंत्र
दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं**

जपंत राज कुरावाहा
विधायक, अमरपुर विधानसभा



चर्चित बिहार पत्रिका-परिवार की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

2021
HAPPY NEW YEAR!

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**पंकज कुमार
जय**

प्रो.- जयप्रकाश
मेडिकल हॉल
पुनसिया जिला- बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**रितेश
कु. गुप्ता**

नगर प्रबंधक
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल सिंह

संस्थापक - मुक्ति
निकेतन संस्थान
कटोरिया, बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**उत्तम
कुमार
नियाला**

बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**डॉ. लक्ष्य
प्रसाद यादव**

अध्यक्ष कृसाहा
वन समिति
जिला- बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**डॉ. नौलेश्वरी
सिंह विभवेशन**

M.H.M.B.B.S. (Darbhanga)
R.M.P.H. (Patna), D.C.P. (Ranchi)
Regd. No. 16261 दुर्गा
बांका, मो. 9955601568

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. बलराम मंडल

D.E.H(Redg no 23631
रजि नं-23631
ग्राम - दुधारी
जिला- बांका
9939992228

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**भानुप्रताप
सिंह**

प्रखण्ड कॉर्गेस
अध्यक्ष, शंभुगंज
जिला बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**प्रतिज्ञा
कुमारी**

प्रो. प्रतिज्ञा गैस
एजेंसी, कटोरिया
रोड, बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**यानघंड
गैस एजेंसी**

शिव आशीष
मार्केट, बांका

your friendly gas

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**आर्वार्द रघुनंदन
शास्त्री**

आवासीय मार्शल
एकेडमी, खेसर,
बांका, मो.:8002850364

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**प्रवीन कु.
सिंह**

नेशनल क्राइम
इनवेस्टीगेशन
ब्यूरो

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

गुडल सिंह

चंपारण मीट
हाउस
कटोरिया-रोड
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**डॉ. राजेश
कुमार**

आर्या, आई केयर
सेंटर, कटोरिया
जिला : बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**पंकज
कुमार**

कार्यक्रम पदाधिकारी
मनरेगा -बेलहर
जिला -बांका

समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष, मकर संक्रांति एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

चिट्ठीव कुमार

निदेशक चाईल्ड लाईन बांका



नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



भगवनी देवी

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-6
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



बेगु कुमारी घोष

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-11
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



प्रीति गला देवी

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-23
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



निशा रानी

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-24
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



लक्ष्मी देवी

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-9
नगर परिषद बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



क्राति देवी

वार्ड पार्षद
वार्ड नं- 2
नगर परिषद
बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



**विकास
चौटिया**

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-12
नगर परिषद बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



**अजीत कु.
यग्नेश**

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-22
नगर परिषद बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



**कुलदीप
पात्वारी**

वार्ड पार्षद
वार्ड नं-25
नगर परिषद बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



मो. शहीन

वार्ड पार्षद
वार्ड नं- 3
नगर परिषद
बांका

आई.सी.डी.एस

बांका की ओर से नव वर्ष,
मकर संक्रांति एवं गणतंत्र
दिवस के अवसर पर समस्त
जिलेवासीयों को हार्दिक
शुभकामनाएँ

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ



विनय कुमार कापरी

जिला आयक्ष सह श्रम प्रतिनिधि, राष्ट्रीय मजदूर
कांग्रेस इंटक, बांका, 9162789325



बलेश्वर कापूर

संयोजक, कंस्ट्रक्शन लेबर यूनियन, बाराहाट
जिला-बांका, 9709954686



समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष, मकर संक्रांति
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पुतुल कुणारी

पूर्व सांसद बांका

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं



डॉ. प्रभा रानी

महिला चिकित्सा पदाधिकारी,
सदर अस्पताल, गोड्डा (झारखण्ड)

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएंके अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बांका व्हील्स, बांका



अब बांका में खुला सहारा इलेक्ट्रिक बाइक का शानदार शो रूम

अब बांका शहर बनेगा प्रदूषणमुक्त

बांका विल्स में इलेक्ट्रिक स्कूटी, बाइक और इलेक्ट्रिक रिक्शा
के कई रेंज के मॉडल उपलब्ध हैं।

अब नो पेट्रोल, नो डीजल, नो प्रदूषण



मुकेश कुमार

प्रोपराइटर

एमडी प्लज़ा मार्केट, कटोरिया रोड, बांका
मो. 9631375224



समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष, मकर संक्रान्ति
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

संतोष कु. सिंह

अध्यक्ष नगर परिषद, बांका



समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष मकर संक्रान्ति एवं
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

निवेदक

विनीता प्रसाद

उपाध्यक्ष नगर परिषद, बांका



समस्त जिलेवासियों को नव वर्ष मकर संक्रान्ति
एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

नितेंद्र कु. राय

वार्ड पार्षद, वार्ड नं-26 नगर परिषद, बांका

नव वर्ष मकर संक्रांति गणतंत्र दिवस के अवसर पर बांका जिला सहित समस्त बिहार वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

महादेव इन्कलेव प्राइवेट लिमिटेड



रामनगर में स्कूली बच्चों के बीच नि:शुल्क बैग का वितरण करते प्रबंधक



गणतंत्र दिवस के अवसर पर शंकरपुर रखूल में स्कूली बच्चों के बीच नि:शुल्क बैग का वितरण करते प्रबंधक



मंदार महोत्सव 2019 में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर



कांवरिया पथ में नि:शुल्क सेवा देते संस्था के सदस्य



खैरा रजौन गाँव में नि:शुल्क आर.ओ.प्लान्ट का शुभारम्भ करते विधायक व प्रबंधक



संस्था के द्वारा जनहित में 24 घंटा नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध



शंकरपुर गाँव में संस्था की ओर से बनाया गया यात्री शेड



चंद्रप्रताप सिंह
जी.एम.

महादेव इन्कलेव का जनसेविकार सेजुड़े कार्य

1. लगातार सरकारी स्कूलों व संस्थानों के परिसर में पौधरोपण, अब तक सात हजार से अधिक पौधरोपण का कार्य संपन्न
2. 24 घंटा आमजनों के लिए नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध
3. सदर प्रखंड के रामनगर व शंकरपुर प्राथमिक विद्यालय को गोद लेते हुए शैक्षणिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का प्रयास
4. आमजनों के लिए जगह-जगह नि:शुल्क शुद्ध पेयजल के लिए आरओप्लांट की स्थापना
5. जिले की खेल खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद के लिए बढ़ावा देने के लिए संकल्पित



अमरसिंह दाठौद
जी.एम.

लालकोठी, बांका